सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 112 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 03 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

लोकसभा में मोदी के खिलाफ नारे लगे, बाहर भी प्रदर्शन

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में आज अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर चर्चा की मांग की गई। लोकसभा में विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए। बजट सत्र के पांचवें दिन लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई और 8 मिनट ही चली। सदन 12 बजे तक स्थगित किया गया। दूसरी बार भी सदन की कार्यवाही केवल 13 मिनट ही चल सकी। स्पीकर ने सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित की है। लोकसभा स्पीकर ने विपक्षी सांसदों से कहा- नारेबाजी गलत है, नियमों के खिलाफहै। इसके बावजूद विपक्ष लगातार हंगामा करता रहा।

4 फरवरी को नोडल अधिकारियों की वर्कशॉप

रायपुर। भारत सरकार द्वारा संचालित कर्मयोगी आईगॉट के अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन के समस्त विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं समयबद्ध क्षमता विकास निर्माण (सीबीपी) हेतु समस्त विभागों के नियुक्त नोडल अधिकारियों के लिए 4 फरवरी 2026 को अपरान्ह 2 से 5 बजे तक एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया है। यह कार्यशाला मंत्रालय महानदी भवन स्थित सभागार पंचम तल नवा रायपुर में होगी।

सक्ती में 94 शीशी कोडीन सिरप जब्त

सक्ती। जिले में नशीली दवाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने प्रतिबंधित कोडीन युक्त ऑनरेक्स कफ सिरप के इंटर-स्टेट तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान 94 शीशी नशीली सिरप, एक कार और एक बाइक जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामला एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, कोडीन युक्त कफ सिरप की मैन्युफैक्चरिंग हिमाचल प्रदेश की फार्मास्यूटिकल फैक्ट्रियों में वैध मेडिकल उपयोग के नाम पर की जा रही थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा में पिंड दान किया

जाजपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार सुबह ओडिशा के जाजपुर जिले में बिराजा मंदिर में अपने पूर्वजों की आत्माओं के उद्धार के लिए पिंड दान किया। राष्ट्रपति के दौरे के लिए लगभग 600 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। मुर्मू बालासोर स्थित फकीर मोहन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित ऑडिटोरियम का उद्घाटन भी करेंगी।

बस्तर पंडुम की तैयारियों की समीक्षा

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिंहा ने सोमवार की शाम जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में बस्तर पंडुम 2026 के संभागस्तरीय प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए गए दायित्वों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए तैयारियों को समय-सीमा में पूर्ण करने कहा।

छत्तीसगढ़ में 1 अप्रैल से शराब होगी महंगी, जैसा ब्रांड होगा वैसा देना होगा टैक्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शराब की कीमतें बढ़ने वाली है। राज्य सरकार ने शराब पर संशोधित आबकारी ड्यूटी की अधिसूचना जारी कर दी है। जिसे 30 जनवरी 2026 को राजपत्र में पब्लिश किया गया। नई दरें 1 अप्रैल 2026 से लागू होगी। इसके तहत देसी-विदेशी और बीयर महंगी होगी।

जारी अधिसूचना के मुताबिक, विदेशी शराब पर ड्यूटी अब रिटेल सेल प्राइस (आरएसपी) यानी बाजार में बिकने वाली कीमत के स्लैब के आधार पर तय की गई है। मतलब, जितनी महंगी ब्रांड की शराब होगी, उस पर उतना ज्यादा ट्रैक्स देना होगा। इसके साथ ही देसी शराब, बीयर और रेडी-टू-ड्रिंक पेय पदार्थों पर भी टैक्स बढ़ाया गया है।

अब प्लास्टिक की बोतल में बिकेगी शराब

नई आबकारी नीति के तहत एक और बड़ा बदलाव किया गया है। अब राज्य की सरकारी शराब दुकानों में शराब कांच की बोतल के बजाय प्लास्टिक बोतल में बेची जाएगी। सरकार का दावा है कि इससे ट्रांसपोर्ट आसान होगा और लागत में कमी आएगी।

प्रूफ लीटर पर तय होगा टैक्स

नई नीति के तहत टैक्स प्रति प्रूफलीटर के अनुसार तय होगी। प्रूफलीटर शराब में मौजूद शुद्ध अल्कोहल की मात्रा को मापने की इकाई है। सरल शब्दों में कहें तो यह यह बताता है कि किसी शराब में असली शराब अल्कोहल कितना है, न कि बोतल में कुल तरल कितना है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी बोतल में 1 लीटर शराब है और उसमें 50 प्रतिशत अल्कोहल है, तो उसमें 0.5 प्रूफलीटर अल्कोहल माना जाएगा। अगर 1 लीटर शराब में 42.8 प्रतिशत अल्कोहल है तो उसमें लगभग 0.43 प्रूफलीटर अल्कोहल होता है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर लगी मुहर, ट्रंप ने 18 प्रतिशत टैरिफ का किया ऐलान

रूस की जगह वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, मोदी ने कहा- यह डील देश वासियों के लिए अहम है

नईदिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने भारत पर लगे पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने का एलान किया है। साथ ही ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने का एलान किया। राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच सोमवार को टेलीफोन पर बात हुई। इस बातचीत के बाद ही ट्रंप ने भारत पर लगे 25 प्रतिशत टैरिफ को घटाने का एलान किया। इस डील के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यह भारत वासियों के लिए अहम है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' में साझा एक पोस्ट में लिखा कि भारत के प्रधानमंत्री और एक ताकतवर और सम्मानित नेता मोदी से बात करना सम्मान की बात रही। हमने कई मुद्दों पर बात की, जिसमें व्यापार, रूस और यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने पर बात हुई। वह (पीएम

मोदी) रूस से तेल खरीद रोकने और अमेरिका और खासकर वेनेजुएला से तेल खरीदने पर सहमत हुए हैं।' 'प्रधानमंत्री मोदी के साथ दोस्ती और सम्मान के कारण और उनके अनुरोध पर, तुरंत प्रभाव से, हम अमेरिका और भारत के बीच एक ट्रेड डील पर सहमत हुए हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका भारत पर पारस्परिक टैरिफ लगाएगा, और इसे 25 फीसदी से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। वे भी इसी तरह अमेरिका के खिलाफ अपने टैरिफऔर नॉन-टैरिफ बैरियर को घटाकर शून्य कर देंगे।

पीएम मोदी बोले- ये देश के 1.4 अरब लोगों के लिए अहम

ट्रंप के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत की और यह जानकर बेहद खुशी हुई कि अमेरिका ने 'मेड इन इंडिया' उत्पादों पर टैरिफघटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। पीएम मोदी ने ट्रंप का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह घोषणा भारत के 1.4 अरब लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि वह ट्रंप के साथ मिलकर भारत-अमेरिका साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। यह कदम दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगा और 'मेड इन इंडिया' उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा।

कैसे हुआ टैरिफ कम

अमेरिका पहले भारत पर 50 फीसदी शुल्क लगता था। इसमें 25 फीसदी पारस्परिक और 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफशामिल था, जो भारत की तरफरूसी तेल खरीदने पर लगाई गई थी। अब नए समझौते के तहत अमेरिका ने रूसी तेल से जुड़ी अतिरिक्त 25 फीसदी कर हटा दिया है। अब सिर्फ संशोधित पारस्परिक टैरिफ लागू रहेगा, जिससे कुल दर 18 फीसदी रह गई है।

ट्रंप का दावा और भारत का रुख

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर कहा कि भारत के साथ बातचीत सम्मानजनक रही। उन्होंने दावा किया कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी तेल की खरीद कम करने और अमेरिका (और संभवतः वेनेजुएला) से तेल खरीद बढ़ाने पर सहमति जताई है। ट्रंप का कहना है कि इससे रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने में मदद मिलेगी।

रायपुर में खुला अंतरिक्ष केंद्र : एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने किया उद्घाटन

- बच्चे सैटेलाइट बनाने से लेकर कंट्रोल सेंटर की बारीकियां सीखेंगे
- सीएम साय भी हुए कार्यक्रम में शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राखी में प्रदेश के पहले अंतरिक्ष केंद्र का शुभारंभ हुआ है। भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंतरिक्ष केंद्र का उद्घाटन किया है। इस मौके पर देश के जाने-माने अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने बच्चों से बातचीत की और अंतरिक्ष से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। छात्रों में उन्हें देखने और सुनने को लेकर खास उत्साह नजर आया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह अंतरिक्ष केंद्र छत्तीसगढ़ के बच्चों के लिए नए सपनों का रास्ता खोलेगा। उन्होंने कहा कि अब राज्य के विद्यार्थी भी अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक को पास से समझ सकेंगे और इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे। नवा रायपुर में बना यह अंतरिक्ष केंद्र आधुनिक सुविधाओं से लैस है। यहां बच्चों को सैटेलाइट बनाना, उसकी जांच करना और उसे ट्रैक करना सिखाया जाएगा। इसके लिए लैब, ग्राउंड स्टेशन और कंट्रोल सेंटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत से उम्मीदें : शुभांशु शुक्ला

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत को दुनिया बेहद सम्मान की नजर से देखती है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश से बड़ी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। उनके अनुसार, वैश्विक समुदाय इस बात को समझता है कि भारत के पास मजबूत तकनीकी क्षमता है और देश ने जिस तरह की दीर्घकालिक स्पेस पॉलिसी तैयार की है, वह भारत को एक उभरती हुई अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

मानव मिशन पर की बात

भारत के प्रस्तावित बिना मानव वाले मिशन को लेकर बात करते हुए शुभांशु शुक्ला ने कहा कि मानव अंतरिक्ष मिशन सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने बताया कि किसी भी व्यक्ति को अंतरिक्ष में भेजने से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी होता है कि सभी सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद हों। सैटेलाइट मिशन की तुलना में मानव मिशन में जीवन रक्षक प्रणालियों जैसे ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड नियंत्रण, तापमान और आर्द्रता को संतुलित रखना बेहद अहम होता है।

सीबीएसई 10वीं-12वीं की परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी

- संगम पोर्टल से करें डाउनलोट

नईदिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2026 में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। बोर्ड ने आधिकारिक पोर्टल parikshasangam.cbse.gov.in पर एडमिट कार्ड डाउनलोड की सुविधा शुरू कर दी है। एडमिट कार्ड में छात्र का नाम, रोल नंबर, जन्मतिथि, परीक्षा केंद्र का नाम और पूरा पता लिखा होगा। टाइम टेबल, परीक्षा का समय और विषय कोड भी एडमिट कार्ड में दिए होते हैं।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में शामिल होने वाले नियमित छात्रों को अपना एडमिट कार्ड खुद डाउनलोड नहीं करना होगा। स्कूल के अधिकारी परीक्षा संगम पोर्टल पर लॉग इन करके कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों के एडमिट कार्ड डाउनलोड करेंगे। इसके बाद स्कूल एडमिट कार्ड पर प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर और स्कूल की मुहर लगाकर छात्रों को देगा। बिना मुहर और हस्ताक्षर वाला एडमिट कार्ड परीक्षा केंद्र में मान्य नहीं होगा, इसलिए छात्रों को स्कूल से मिला हुआ एडमिट कार्ड ही परीक्षा में लेकर जाना होगा। सीबीएसई के तय कार्यक्रम के अनुसार कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। कक्षा 10वीं की परीक्षाएं अलग-अलग चरणों में आयोजित की जाएंगी और 11 मार्च 2026 को समाप्त होंगी। वहीं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 10 अप्रैल 2026 तक चलेंगी।

नागपुर एम्स में मासूम ने तोड़ा दम, कफ सिरप ने फेल कर दी थीं दोनों किडनियां

छिंदवाड़ा। कथित जहरीले कोल्ड्रिफ कफ सिरप से जुड़ा मामला लगातार भयावह होता जा रहा है। इस सिरप ने अब बैतूल जिले के चार वर्षीय हर्ष यदुवंशी की भी जिंदगी छीन ली। 120 दिन तक नागपुर एम्स में चले लंबे इलाज के बाद मासूम ने बीती रात अंतिम सांस ली।

हर्ष यदुवंशी (4 वर्ष) पिता गोकुल यदुवंशी बैतूल का रहने वाला था। सितंबर 2025 में हर्ष को सर्दी-जुकाम और बुखार की शिकायत पर छिंदवाड़ा के एक निजी चिकित्सक डॉ. एसएस ठाकुर से उसका इलाज कराया गया। आरोप है कि इसी दौरान उसे कोल्ड्रिफ कफ सिरप दिया गया। हालत गंभीर होने पर उसे नागपुर एम्स रेफर किया गया। 120 दिन तक डायलिसिस और गहन उपचार के बावजूद आखिरकार मासूम जिंदगी की जंग हार गया।

पश्चिमी विक्षोभ का असर कम, शुष्क रहेगा मौसम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में बदलाव देखने को मिला है। हालांकि प्रदेश में फिलहाल कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है, इसके बावजूद दिन और रात के तापमान में मामूली बदलाव दर्ज किया जा रहा है। मौसम शुष्क बना हुआ है और ठंड के विदा होने तथा गर्मी के आगमन के बीच मौसम एक तरह के ठहराव के दौर से गुजर रहा है।

बीते तीन दिनों से राजधानी रायपुर राज्य का सबसे गर्म शहर बना हुआ है। रायपुर का अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है, जबकि न्यूनतम तापमान में

हल्की गिरावट आई है। सोमवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 30.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से जब हवाओं की दिशा बदलती है तो रात के तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी होती है, वहीं नमी कम होने पर न्यूनतम तापमान गिर जाता है। यही कारण है कि दिन और रात के तापमान में लगातार हल्का अंतर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि अगले पांच दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क और स्थिर रहेगा। कम से कम आगामी दो दिनों तक किसी तरह के मौसमीय बदलाव की संभावना नहीं है। बीते 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में मामूली कमी दर्ज की गई है, जबकि दिन का तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं रायपुर शहर में मंगलवार की सुबह हल्की धुंध छाए रहने की संभावना जताई गई है।

बस खाई में गिरी, तीन की मौत, कई घायल

देहरादून। उत्तराखंड के विकासनगर में आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। हिमाचल परिवहन की रोडवेज बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ ने बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को खाई से निकाला गया। हादसे में तीन लोगों को मौत हो गई है।

मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के नेरवा से पांवटा जा रही एचपी रोडवेज बस हरिपुर -कोटी - मीनस राजमार्ग पर क्वानू के पास खाई अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। अब तक मिली जानकारी के

अनुसार हादसे में दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई है। बस में 30 से अधिक यात्री सवार थे। एसडीआरएफ की टीम बचाव अभियान चला रही है। थाना प्रभारी कालसी दीपक धारीवाल ने बताया घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया है।

सीएम ने जताया दुख

घटना पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गहरा दुख जताया। उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर लिखा-हमें कालसी इलाके में हिमाचल ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बस के एक्सीडेंट की दुखद खबर मिली है। मैंने डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट से फोन पर बात की और जरूरी निर्देश दिए। जिला प्रशासन और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया है। आस-पास के सभी मेडिकल सेंटर्स को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

डाकघर में फर्जीवाड़ा, मिलीभगत कर निकाले पैसे

डाकघर खातों में घोटाले पर उपभोक्ता आयोग सख्त, पीड़ित परिवार को 1.91 करोड़ के भुगतान का आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डाक बचत खातों में एजेंट एवं विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत से रायपुर के बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। इस मामले में उपभोक्ता आयोग ने सख्ती दिखाते हुए डाक विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए खाताधारकों को राशि भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग ने माना कि विभागीय कर्मचारियों की संलिप्तता के बिना इस प्रकार से किसी ग्राहक के पैसे निकालना संभव नहीं है।

राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी अनिल कुमार पाण्डेय, उनकी पत्नी एवं पुत्री द्वारा डाक बचत अभिकर्ता भूपेन्द्र पाण्डेय एवं आकांक्षा पाण्डेय के माध्यम से पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय डाकघर में अगस्त 2016 से नवंबर 2020 के बीच कुल 19 टीडीआर खाते

एवं 2 आवर्ती जमा खाते खुलवाए गए थे। इन खातों की कुल परिपक्वता राशि लगभग 1 करोड़ 97 लाख रुपए थी।

परिवादी का आरोप है कि पोस्टमास्टर द्वारा एजेंट से मिलीभगत कर खाताधारकों की अनुमति के बिना खातों से आहरण की अनुमति दी गई। इसकी लिखित शिकायत परिवादीगण द्वारा डाक विभाग से की गई थी, किंतु न तो उन्हें किसी प्रकार की सूचना दी गई और न ही खातों को अवरुद्ध किया गया। इसके बाद सेवा में कमी का आरोप लगाते हुए मामला छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग में प्रस्तुत किया गया। मामले की सुनवाई राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया एवं सदस्य श्रमोद कुमार वर्मा की पीठ द्वारा की गई। दोनों पक्षों के दस्तावेजों एवं पासबुक का अवलोकन करने के बाद आयोग ने यह स्पष्ट किया कि पोस्टमास्टर अथवा विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना पासबुक जारी करना एवं खातों से राशि का आहरण संभव नहीं है। आयोग ने भारतीय डाक विभाग को 45 दिवस के भीतर परिवादीगण को 18 खातों की परिपक्वता राशि 1 करोड़ 91 लाख 39 हजार 965 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। साथ 20 नवंबर 2023 से 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज देय होगा। इसके अतिरिक्त 1 लाख रुपये क्षतिपूर्ति तथा 15 हजार रुपये वाद व्यय के रूप में भुगतान करने के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

कैंसर इलाज मुफ्त क्यों नहीं?

कैंसर और मधुमेह (डायबिटीज) भारत में दोहरा, जानलेवा, गंभीर स्वास्थ्य संकट हैं। देश में 2025 तक मधुमेह पीड़ितों की अनुमानित संख्या 12.49 करोड़ है। करीब 8-18 फीसदी कैंसर रोगियों को मधुमेह भी होता है, लिहाजा टाइप-2 मधुमेह के कारण स्तन, कोलन, लिवर, पैंक्रियाज के कैंसर का जोखिम 20-30 फीसदी तक बढ़ जाता है। भारत में मुख कैंसर विश्व में सबसे अधिक है, क्योंकि भारतीय तंबाकू का सेवन बहुत करते हैं। फेफड़े, श्वास-नली, बड़ी आंत या मलाशय, पैंक्रियाज, स्तन आदि के कैंसर करीब 50 फीसदी मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। पहली बार बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को 1 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कुल बजट 1,01,709 करोड़ रुपए का है, जिसे पांच साल में 42 फीसदी बढ़ाया गया है, लेकिन जीडीपी का जितना हिस्सा स्वास्थ्य और शिक्षा पर आवंटित किया जाना चाहिए, उतना बजट नहीं दिया जा रहा है। यह विडंबना और संकुचित सोच का नतीजा ही है। स्वास्थ्य का बजट अब भी 2 फीसदी से कम है, जो 147 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश के लिए 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। देश का औसतन 9वां नागरिक कैंसर-पीड़ित है। अभी तक कैंसर लगभग लाइलाज है, क्योंकि देश में सुविधाएं और चिकित्सा पर्याप्त नहीं है। जहां इलाज उपलब्ध है, वहां लंबी प्रतीक्षा है, मशीनें खराब पड़ी रहती हैं, डाक्टर भी गायब रहते हैं, शोध का स्तर उथला है और अंततः इलाज बेहद महंगा है। राजधानी दिल्ली की नाक के तले ही कैंसर की नकली दवाइयां बनाई और बेची जा रही हैं। कुछ गिरोह पकड़े भी जाते हैं, लेकिन उनका कानूनी निष्कर्ष क्या होता है, कितना दंडनीय अपराध साबित होता है, उनका सार्वजनिक खुलासा नगण्य है।

> "स्वास्थ्य का बजट अब भी 2 फीसदी से कम है, जो 147 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश के लिए 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। देश का औसतन 9वां नागरिक कैंसर-पीड़ित है। अभी तक कैंसर लगभग लाइलाज है, क्योंकि देश में सुविधाएं और चिकित्सा पर्याप्त नहीं है। जहां इलाज उपलब्ध है, वहां लंबी प्रतीक्षा है, मशीनें खराब पड़ी रहती हैं, डाक्टर भी गायब रहते हैं, शोध का स्तर उथला है और अंततः इलाज बेहद महंगा है। राजधानी दिल्ली की नाक के तले ही कैंसर की नकली दवाइयां बनाई और बेची जा रही हैं। कुछ गिरोह पकड़े भी जाते हैं, लेकिन उनका कानूनी निष्कर्ष क्या होता है।

बहरहाल बजट में कैंसर, मधुमेह समेत 7 गंभीर बीमारियों की दवाएं सस्ती घोषित की गई हैं। बेशक कैंसर की दवाओं पर शुल्क घटने से इन दवाओं के आयात और वितरण से जुड़ी कंपनियों के मार्जिन में सुधार होगा। बजटीय आबंटन 10,000 करोड़ रुपए का सीधा लाभ उनको मिलेगा, जो 'बायोसिमिलर्स' और शोध पर काम कर रही हैं। बॉयोकॉन, सन फार्मा, जायडस लाइफ साइंसेज को ये लाभ मिल सकते हैं। डा. रेड्डीज कैंसर की कई महत्त्वपूर्ण दवाओं के उत्पादन और वितरण में सक्रिय है। नेटको फार्मा की कैंसर दवाओं के पोर्टफोलियो में इसकी बड़ी पकड़ है। मौजूद सवाल यह है कि देश में कैंसर का इलाज मुफ्त क्यों नहीं किया जा सकता? अथवा जो अस्पताल कैंसर के इलाज के लिए चिह्नित किए जाएं, उनमें इतना अनुशासन और सख्ती की जानी चाहिए कि आम आदमी को कैंसर का इलाज 100 फीसदी सुनिश्चित किया जा सके। जब देश में 'मुफ्त की रेवड़ियां' बांटने की राजनीतिक संस्कृति पुख्ता हो चुकी है और इस आधार पर चुनाव जीते जा रहे हैं, तो कैंसर किसी की जिंदगी और मौत से जुड़ी बीमारी है। 'अमीर अर्थव्यवस्था' वाला देश कैंसर का मुफ्त इलाज मुहैया क्यों नहीं करा सकता? किसानों की सम्मान राशि के लिए बजट में 65,000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है, तो कैंसर-पीड़ितों के लिए बजटीय प्रावधान क्यों नहीं किया जा सकता? देश में दवाओं का इतना संकट नहीं है, बल्कि अस्पताल और डाक्टरों की उपलब्धता बहुत कम है। हास्यास्पद् है कि बजट में 'मेडिकल पर्यटन' की खूब गालबजाई की गई है। राजधानी दिल्ली में ही प्रति लाख आबादी पर अस्पताल मात्र 0.52 है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर में प्रति लाख आबादी पर औसतन एक अस्पताल नहीं है। सबसे कम डाक्टर नगालैंड, मिजोरम, झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार में उपलब्ध हैं। देशवासियों और विदेशियों को सहज और सुलभ इलाज कैसे मुहैया कराएंगे? बहरहाल 1 लाख एलाइड पेशेवरों को प्रशिक्षण और 1000 करोड़ रुपए का बजट, 3 नये नेशनल फार्मा संस्थान, 50 फीसदी ट्रॉमा केयर सेंटर, जिलेवार अस्पताल, आयुष फार्मेसी, ड्रग टेस्टिंग लैब, जामनगर स्थित टेऊडिशनल मेडिसन सेंटर और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र की घोषणाएं अच्छी हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति और सक्रियता जमीन पर भी दिखनी चाहिए। यदि लद्दाख, चंडीगढ़, पुडुचेरी, केरल, तमिलनाडु में प्रति लाख आबादी पर सबसे अधिक बेड उपलब्ध हो सकते हैं, तो यही व्यवस्था देश भर में भी की जा सकती है। बहरहाल जो भी है, बजट का स्वागत है, बशर्ते जो आवंटित किया गया है, उसका पूरी तरह इस्तेमाल हो।

लेखक अमिताव घोष की नवीनतम पुस्तक 'घोस्ट आई' दिखावे से परे असीम प्रेम की गाथा है। वे ब्रह्मांड को समेटने की कोशिश करते हैं, पूर्व जन्मों को, इंसानों और गैर-इंसानों को भी। उनके लेखन की खासियत है कि वे सच और परिकल्पना को एक जादुई मिश्रण में ढाल देते हैं और उसे अपना बना लेते हैं।

अमिताव घोष के सृजन में कल्पना और सच का जादुई मिश्रण

ज्योति मल्होत्रा

मेधावी लेखक अमिताव घोष इन दिनों अपनी नई किताब 'घोस्ट आई' के प्रचार लिए अपनी मातृभूमि में यात्रा कर रहे हैं, जी बिल्कुल, वे पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश या जम्मू-कश्मीर के आस-पास भी कहीं नहीं आ रहे, क्योंकि ऐसा लगता है कि इस क्षेत्र में साहित्य-सम्मेलनों की भरमार के बावजूद -जिसमें चंडीगढ़ में होने वाले दो सम्मेलन भी शामिल हैं, और दोनों में ध्यान ज़्यादातर इस बात पर केंद्रित रहता है कि वहां आपने किस-किस हस्ती को देखा बजाय इसके कि आपने यह वाली किताब पढ़ी है या नहीं - देश के इन हिस्सों में पाठकों का बाज़ार ज़्यादा बड़ा नहीं है।

तो यहां अमिताव घोष के बारे में पहलू यह है - शायद वे उन सबसे ज्यादा गैर-मिलनसार लोगों में एक हैं जिनसे आपकी भेंट हुई होगी। वह रूखे हैं, यहां तक कि चिड़चिड़े भी। पिछली एक किताब की बाबत एक इंटरव्यू में, उन्होंने पुस्तक के बारे में बात ही करने से मना कर दिया था। दशकों पहले मैं उनके पूर्व प्रकाशक रवि दयाल की ओर से उन्हें भेजी गईं कुछ किताबों का बंडल, जो सिर्फ़ दक्षिण एशिया में छपी थीं, नई दिल्ली से न्यूयॉर्क ले कर गई थी - कई ईमेल के बाद हम एक कॉफ़ी शॉप में मिले और मैंने सोचा, वाह, यहां मुझे इस मूर्धन्यता के पीछे के इंसान को जानने का मौका मिलेगा। लेकिन वह शख्स अंदर आये, मुझसे किताबें लीं, हल्की सी मुस्कान के साथ धन्यवाद कहा, मुड़े और चला गये। मुझे लगा कि मैं एक ऐसी कॉफी के लिए कई डॉलर ज़्यादा ही खर्च कर डाले, जो पीने में न तो गर्म थी और न ही स्वादिष्ट।

बहरहाल, अगर आप जब उनका काम पढ़ना शुरू कर रहे हैं तो शुरुआत आपको 'द ग्लास पैलेस' से करनी चाहिए, एक ऐसी कहानी जो ताउम्र आपके याद रहेगी, कथानक भारत और बर्मा के बारे में है, मुश्किलों और यातनाओं का एक ऐसा सिलसिला जो महान राजा थिबाव की मुसीबतों से संबंधित है, जिन्हें अंग्रेजों ने उनके प्यारे मांडले से निकालकर महाराष्ट्र के तट पर रत्नागिरी में नज़रबंद कर दिया था, जहां पर 1916 में उनकी मृत्यु एकाकीपन में हुई, सनद रहे, अंग्रेजों ने 1857 के असफल विद्रोह के बाद बहादुर शाह ज़फ़र को भी रंगून निर्वासित कर दिया था, जहां पर 1862 में वे अपने अंतिम समय तक रहे। इन दिनों, जब चीज़ें बिखर रही हैं, तब हम भारत और उसके पूर्वी पड़ोसी म्यांमार के बीच रहे गहरे रिश्तों को भुला देते हैं। 2000 में जब अमिताव ने 'ग्लास पैलेस' लिखी और इतिहास की किताबों से इतिहास के नाटकीय पन्नों को फिर से सामने लाये, तब आप साफ तौर पर देखते कि भारत और बर्मा, दोनों देश जब ब्रिटिश राज का हिस्सा बने, अंग्रेजों ने किस प्रकार दो राजवंशों का निष्ठुरता से विनाश किया, 1935 में बर्मा के एक आज़ाद देश बनने तक, भारतीय रेलवे कोलकाता को रंगून-यांगून से जोड़ती थी और लोग बिना किसी भय या सीमा, पासपोर्ट या वीज़ा जैसी चीज़ों की अनिवार्यता बगैर एक से दूसरी जगह आते-जाते थे, काम करते थे, शादी करते थे, संतान पैदा करते थे, ठीक वैसे ही जैसा हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक फैले विशाल भारतीय उपमहाद्वीप में कहीं और होता था; कि दूसरे विश्व युद्ध का एक बड़ा हिस्सा न केवल यूरोप और अफ्रीका के युद्ध क्षेत्रों में लड़ा गया बल्कि बर्मा और मलाया भी रणक्षेत्र रहा, जिसको अब दक्षिण-पूर्व एशिया कहते हैं; और यह कि भारतीय सैनिक हर जगह लड़े, पूर्व व पश्चिम में, करीब 25 लाख सैनिक, जिनमें आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 87,000 योद्धा मारे गए- एक ऐसे देश या

गठबंधन की ओर से लड़ते हुए जो उनका अपना था भी नहीं।

अमिताव घोष की यही खासियत है कि वे सच और परिकल्पना को एक जादुई मिश्रण में ढाल देते हैं और उसे अपना बना लेते हैं। इसलिए जब बीते हफ़्ते यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर चीन गए और आपने उनकी शी जिनपिंग के साथ हाथ मिलाते हुए तस्वीरें देखीं, तो आपका दिमाग ज़रूर अमिताव की 'इबिस ट्रिलॉजी' की तरफ गया होगा। बेशक, प्यार तो उन अनजानी जगहों पर भी पनप सकता है जिसके बारे में कभी सोचा न हो, क्योंकि लोगों की जीवनधारा रूपी नाटक का भव्य मंचन महाद्वीपीय सीमाओं से परे भी होता रहता है, जिसमें युद्ध, व्यापार और वह अंतिम चीज़, अफीम भी शामिल है।

'रिवर ऑफ़ स्मोक' बताती है कि क्यों कई चीनी इतिहासकारों का मानना है कि वर्ष 1839 ने 'अपमान की सदी' की शुरुआत की, जो अफीम युद्धों से शुरू हुई और 1949 में खत्म हुई जब माओ ने अपने असंगठित योद्धाओं के समूह का नेतृत्व करते हुए बीजिंग के बीचों-बीच स्थित 'मध्य राजशाही' का तख्तापलट कर दिया था। एक कहानी जो 'सी ऑफ़ पॉपीज़' नामक शीर्षक से शुरू होती है, उसका संबंध पूर्वांचल में गंगा के किनारे गाजीपुर में बनी अफीम फैक्ट्री और दुनिया भर में भारतीयों के बंधुआ मज़दूर के रूप में प्रवास से जोड़कर देखें। अफीम, इसका लाभदायक व्यापार, साम्राज्य बनाने और राष्ट्रवाद को कुचलने, दोनों में इसकी भूमिका, 'रिवर ऑफ़ स्मोक' और 'फ्लड ऑफ़ फायर' में कहानी का विषय हैं।

'द शैडो लाइन्स' के नए संस्करण शायद आजकल छप नहीं रहे हालांकि, जिस गति से आज की तारीख में बांग्लादेश की राजनीति बदल रही है, उसे देखते हुए आप शायद नजदीकी लाइब्रेरी में वापस जाकर इसे ढूंढ़ना चाहें। अब बात करते हैं। अब सीधे 'गन आइलैंड' पर आते हैं, जो मकड़ियों, आप्रवासन और पर्यावरण आपदाओं को लेकर बुनी एक शानदार फंतासी है, जोकि वेनिस, कोलकाता और सुंदरबन के बीच घूमती रहती है। नागों की देवी, मनसा देवी की गाथा सबसे पहले यहीं प्रकट होती है। 'द हंग्री टाइड' कहानी कुछ ज़्यादा ही भाषणबाजी किस्म की लगी, जो पर्यावरणीय बदलावों से बने संकटों को लेकर ज्यादा प्रयास न करने पर हमें डांटती है। 'घोस्ट आई' की कहानी वहां से शुरू होती है जहां पर 'गन आइलैंड' खत्म हुई थी। चंडीगढ़ से सटे, पंचकूला में भी, माता मनसा देवी का एक मंदिर है, जिन्हें शक्ति स्वरूप में पूजा जाता है। यह साफ नहीं है कि क्या ये वही मनसा देवी हैं जो 'घोस्ट आई' के केंद्र में नागों की देवी हैं, लेकिन अगर वही हैं, तो शायद घोष के बताए जीवन के नुस्खे पर पुनर्विचार का समय आ गया है, जब वे कार्ल जंग से सहमति जताते हुए उद्धृत करते हैं : 'कुछ भी संयोगवश नहीं होता, महज समकालिकता होती है'। कहने का अभिप्राय है कि जब आप सप्ताहांत में इस उस्ताद लेखक को पढ़ते हैं, तो यह महज पढ़ना भर नहीं रहता, बल्कि यह किताबों, पठन, शिक्षा और सीखने के बीच के संबंध को फिर से जोड़ने का भी समय भी बन जाता है।

यह वह समय भी है जब आप आत्मविश्वास के साथ कदम बढ़ाते हैं। यही वह समय होता है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सस्ती तकनीक व हर नागरिक तक पहुंच : एआई में आत्मनिर्भर भारत की तैयारी

सुशील पाल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज की सबसे ताकतवर और तेजी से बदलने वाली तकनीक में से एक बनती जा रही है। इसमें यह क्षमता है कि यह देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे, उत्पादन बढ़ाए और विकास की रफ्तार तेज करे। सरकारी सेवाओं को ज्यादा प्रभावी और पारदर्शी बनाने में भी एआई अहम भूमिका निभा सकती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बीमारी की शुरुआती पहचान, खेती में सही समय पर सही फैसले लेने, आपदा से पहले चेतावनी देने, मौसम और जलवायु का बेहतर अनुमान लगाने और सरकारी योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने में एआई पहले से ही मदद कर रही है। आने वाले समय में शिक्षा, परिवहन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ने की संभावना है।

लेकिन जैसे पहले की तकनीकी क्रांतियों में हुआ, वैसे ही एआई के साथ भी असमानता की तस्वीर सामने आती है। जिनके पास कंप्यूटर की ताकत यानी कंप्यूट, अच्छा डेटा और मजबूत डिजिटल ढांचा है, वही बड़े स्तर पर एआई का लाभ उठा पा रहे हैं। जिनके पास ये सुविधाएं नहीं हैं, वे पीछे रह जाते हैं। यह फर्क आज केवल कंपनियों के बीच ही नहीं, बल्कि देशों और इलाकों के बीच भी साफदिखाई देता है।भारत ने इस चुनौती को एक अवसर के रूप में लिया है। इंडिया एआई मिशन के जरिए भारत यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि एआई की ताकत कुछ गिने-चुने लोगों तक सीमित न रहे। कंप्यूट, डेटा और एआई मॉडल को डिजिटल सार्वजनिक सुविधा के रूप में देखा जा रहा है, ताकि स्टार्टअप, शोधकर्ता, छात्र और छोटे संस्थान भी एआई पर काम कर सकें। भारत की सोच साफ है- ऐसा डिजिटल ढांचा बनाया जाए जो खुला हो, आसानी से बढ़ सके और समाज के हर वर्ग के काम आए। इससे एआई का लाभ आम लोगों तक पहुंचे, देश में ही नवाचार को बढ़ावा मिले और तकनीक के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बन सके।

इस सोच के पीछे एक ठोस योजना है। दावोस में हुए विश्व आर्थिक मंच में केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि

भारत एआई को पांच स्तरों पर विकसित कर रहा है- बिजली और ऊर्जा, कंप्यूट और इंफ्रास्ट्रक्चर, चिप और हार्डवेयर, एआई मॉडल और एप्लिकेशन। इन सभी पर एक साथ काम होने से ही एआई का सही और व्यापक उपयोग संभव हो पाएगा। भारत का तरीका इसलिए अलग है क्योंकि यहां एआई तक पहुंच आसान बनाई गई है। भारत ने एक साझा कंप्यूट प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जहां 38,000 जीपीयू एक ही पोर्टल पर मिलते हैं। इनका खर्च करीब 65 रुपये प्रति घंटा है, जबकि दूसरे देशों में इसके लिए 2.5 से 3 डॉलर प्रति घंटा तक देने पड़ते हैं। इंडिया एआई मिशन के तहत सरकार एआई मॉडल बनाने के लिए पूरी लागत (100त्न) तक मदद दे रही है और एआई के इस्तेमाल पर भी 40 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। इससे पैसे की कमी एआई पर काम करने में रुकावट नहीं बनती। इसी वजह से सरवम एआई, सोकेट एआई और ज्ञानि एआई जैसे भारतीय स्टार्टअप अब बिना बड़ी पूंजी लगाए अपने खुद के एआई और भाषा मॉडल बना पा रहे हैं, जो पहले सिर्फ बड़ी विदेशी कंपनियां ही कर पाती थीं।

भारत का लक्ष्य सिर्फ एआई का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि अपना एआई बनाना है। भारत अपना खुद का एआई मॉडल तैयार कर रहा है, जो भारतीय भाषाओं, भारतीय संस्कृति और भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। इसे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट (16-20 फरवरी 2026) में पेश किए जाने की उम्मीद है। यह मॉडल भारत के ही डेटा पर प्रशिक्षित होगा और देश के भीतर ही काम करेगा।

इससे एआई ज्यादा सटीक, निष्पक्ष और सबको साथ लेकर चलने वाला बनेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित होगा कि डेटा सुरक्षित रहे और एआई का इस्तेमाल देश के कानूनों और नागरिकों के अधिकारों के अनुसार हो। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में एआई को लेकर केवल जोखिमों की चर्चा नहीं होगी, बल्कि यह देखा जाएगा कि एआई जमीन पर क्या बदलाव ला रही है। इसमें एआई को सबके लिए उपलब्ध कराने, विकास में इसके उपयोग, पर्यावरण की रक्षा, भरोसेमंद सिस्टम, भारतीय भाषाओं में एआई, ग्लोबल साउथ की भागीदारी और एआई से जुड़ी असमानताओं को कम करने जैसे मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

भारत का यह तरीका उन देशों के लिए भी एक उदाहरण है, जो अभी विकास के रास्ते पर हैं। यह दिखाता है कि खुलेपन और नवाचार के साथ-साथ अपनी तकनीकी स्वतंत्रता कैसे बनाए रखी जा सकती है। भारत अपने एआई मॉडल ओपन-सोर्स के रूप में विकसित कर रहा है, ताकि दूसरे देश भी अपनी जरूरतों के अनुसार इन्हें अपना सकें। मकसद है मिलकर आगे बढ़ना, बिना किसी नई निर्भरता के।

आज जब एआई देश की ताकत और अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन चुकी है, सवाल यह नहीं रह गया है कि एआई अपनाया जाए या नहीं, बल्कि यह है कि इसे समझदारी, जिम्मेदारी और टिकाऊ तरीके से कैसे अपनाया जाए।

(लेखक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं।)

संगठित आतंकवाद वैश्विक शांति के लिए खतरा

सुरेश सेठ

आतंकवाद का मुखर समर्थन करने वाले देशों के पीछे बड़ी ताकतें रहती हैं, जो उन्हें आर्थिक सहायता और हथियारों की आपूर्ति कर उनकी पीठ थपथपाती हैं।

दुनिया में आतंकवाद अब कोई स्थानीय समस्या नहीं रहा। इसका नियंत्रण भी प्रशासनिक अधिकारियों के स्थानीय दृष्टिकोण से नहीं हो सकता। आतंकवाद विश्व स्तर पर एक संगठित धंधा बन चुका है। अलग-अलग देशों—चाहे फ़लस्तीन हो या पाकिस्तान—में आतंकवाद का पोषण खुलेआम होता है। फलस्तीन में हमास की गतिविधियां और पाकिस्तान में आतंकवादियों के पोषण के अड्डे किसी से छिपे नहीं हैं। आतंकवाद का पोषण भी एक संगठित तरीके से विभिन्न देशों द्वारा किया जाता है, लेकिन जब इस मानवता-विरोधी कारगुज़ारी पर सवाल उठाए जाते हैं, तो वे बड़ी मासूमियत से अपनी संलिप्तता से इनकार कर देते हैं।

भारत के विरुद्ध आतंकवाद का निरंतर पोषण करते हुए भी पाकिस्तान कभी इस बात को स्वीकार नहीं करता, बल्कि स्वयं को आतंकवाद से पीड़ित बताता रहता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति की चाल भी निराली है। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान को आतंकवाद का शिकार देश बताते हुए उसे आतंक के मुकाबले में अग्रणी करार दे दिया था। आतंकवादी पाकिस्तान में पनाह लिए रहते हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादी सूचियों में दुर्दांत आतंकवादियों के नाम गायब हो जाते हैं। आतंकवाद का मुखर समर्थन करने वाले इन देशों के पीछे बड़ी ताकतें रहती हैं, जो उन्हें आर्थिक सहायता और हथियारों की आपूर्ति कर पीठ थपथपाती हैं।

दुनिया भर में आतंकवाद एक संगठित कारोबार के रूप में फैलता जा रहा है। यदि पाकिस्तान के आतंकवाद पर अप्रत्यक्ष रूप से चीन की सहमति है, तो फलस्तीन के हमास आतंकियों के पीछे कुछ इस्लामिक देश हैं। लेकिन जो सच है, उसे नज़रअंदाज़ कर आतंक-पोषक देश अपनी मासूमियत जताते हैं। वास्तव में आतंकवाद की शिकार वह साधारण जनता है, जिसके जान-माल और रोज़ी-रोटी पर आतंकियों का कुठाराघात होता है।

पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद के सामने नाटकीय ढंग से आतंकवाद का पोषक होने से इनकार किया। उसने कहा कि केवल सरकारी नीति के अनुसार ही देश में व्यवस्था चलाई जाती है और उसी के तहत शत्रु का मुकाबला किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भी झूठा ब्योरा प्रस्तुत किया और पहलगाम की निर्मम घटना के दोष से स्वयं को बरी कर लिया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के सुरक्षा प्रतिनिधि ने खरी-खरी सुनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर पर झूठा ब्योरा पेश करने को लेकर पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने ज़ोर देकर कहा कि इस्लामाबाद आतंकवाद को सामान्य घटना के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संयुक्त राष्ट्र के इस सदन में पाकिस्तान आतंकवाद को वैध ठहराने की अपनी ओछी हरकत नहीं कर सकता।

पहलगाम में अप्रैल, 2025 में पाकिस्तानी आतंकियों ने जघन्य हमला कर निर्दोष नागरिकों की हत्या की थी। इस आतंकी घटना के जवाब में और पाकिस्तानी आतंकी अड्डों को नष्ट करने के उद्देश्य से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। भारत ने पाकिस्तान के भीतर जाकर आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त किया और पाकिस्तान-अधिकृत क्षेत्रों में भी आतंकी ढांचों को नष्ट किया। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह फिर से आतंकी अड्डों को पुनर्जीवित कर आतंकवाद के पोषण में जुटा हुआ है।

आज संयुक्त राष्ट्र संघ भी अपनी प्रासंगिकता खोता हुआ प्रतीत हो रहा है। वह कहीं भी शांति सुनिश्चित करने में सक्षम नहीं दिखता। उसके निंदा प्रस्तावों का आतंकियों या उन्हें संरक्षण देने वाले देशों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। यही देश संयुक्त राष्ट्र के मंच पर आकर स्वयं को आतंकवाद से पीड़ित मासूम राष्ट्र बताते हैं। भारतीय प्रतिनिधि ने स्पष्ट कहा कि संयुक्त राष्ट्र केवल बजट की चिंता तक सीमित न रहे, बल्कि संघर्षों से निपटने में अपनी जड़ता और प्रभावहीनता को समाप्त करे। इसी कारण आतंकवादी सिर उठा रहे हैं और अपने षड्यंत्रकारी, आक्रामक रवैये से विश्व को युद्ध की ओर धकेल रहे हैं।

आतंकवाद अब स्थानीय नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और मानवीय मूल्यों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यह धीरे-धीरे एक संगठित और व्यावसायिक स्वरूप ले रहा है। इस प्रकार आतंकवाद एक घातक वैश्विक बाजार में बदलता जा रहा है, जो विकास के बजाय मृत्यु का संदेश देता है। ऐसे में इससे निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को अपनी भूमिका और दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा। सुरक्षा परिषद को वीटो-आधारित यंत्रचालित ढांचे से बाहर निकलकर पारदर्शिता, सत्य और न्याय पर आधारित प्रभावी मंच बनना चाहिए।

लेखक साहित्यकार हैं।

रिश्तों की डोर

रिश्तों की डोर,
सिर्फ़ विश्वास से बंधती है।
एक बार टूट जाए,
तो जोड़ने में,
पूरी उम्र बीत जाती है।

सपनों की दुनिया,
रंगीन लगती है।
पर जागते ही,
यथार्थ का आईना,
सच दिखा देता है।।

धूप का ताप,
कभी तपन देता है।
तो कभी वही धूप,
'सुषमा' जीवन का,
स्रोत बन जाती है।।

समय की चाल,
कभी धीमी, कभी तेज़,
पर कोई रोक नहीं सकता।
उसके बढ़ते क़दम,
एक पल में खुशियाँ तो
एक पल में,
चिन्ताएँ बढ़ा सकती है।।

सुषमा प्रेम पटेल

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

बीएसपी में 'आप भी जानिए' 2026; कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग से हुई शुरुआत

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के जन सहभागिता कार्यक्रम 'आप भी जानिए' के सीजन-2026 का शुभारंभ कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग के कर्मियों की जीवनसंगनियों की सहभागिता के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संयंत्र की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा उत्पादन प्रक्रियाओं से कर्मियों के परिवारजनों को परिचित कराना है, जिससे संगठन और कर्मचारियों के परिवार के बीच सहभागिता एवं विश्वास को सुदृढ़ किया जा सके।

उद्घाटन सत्र में ईडी (एचआर) पवन कुमार, सीजीएम (सीओसीसीडी) तुलाराम बेहरा, जीएम प्रभारी जेएन ठाकुर तथा जीएम संजय द्विवेदी उपस्थित रहे। सहायक महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) प्रशांत कुमार ने प्रस्तुती दी, जिसमें संयंत्र की उत्पादन प्रक्रिया, कार्य प्रणालियों एवं सुरक्षा मानकों की जानकारी दी गई।

अतिथियों ने इस बात पर बल दिया कि सुरक्षा केवल कार्यस्थल तक सीमित न होकर पारिवारिक जागरूकता से भी जुड़ी हुई है तथा सुरक्षित कार्य - व्यवहार को बढ़ावा देने में परिवारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम का संचालन डीजीएम (मानव संसाधन-आयरन) रोहित हरित द्वारा किया गया। संयंत्र भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने ब्लास्ट फर्नेस-8, एसएमएस-3, कोक ओवन बैटरियों तथा यूनिवर्सल रेल मिल का अवलोकन किया और विभिन्न उत्पादन प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के उपरांत आयोजित संवाद सत्र में सीजीएम (सीओ सीसीडी) तुलाराम बेहरा, जीएम प्रभारी (सीबीसी ओ) झगर सिंह, जीएम प्रभारी (सीसीडी ओ) संजय बी. पाटिल, जीएम (सीआरजी-एम) मधुसूदन नायक, जीएम (एमएम) पी. शशिकांत तथा जीएम प्रभारी (इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस) दिलीप सामंतराय ने परिवारजनों से संवाद किया और उनके प्रश्नों का समाधान किया।

प्रमुख खबरें

डीजल लोकोमोटिव लीजिंग एंड मेंटेनेंस का एमओयू

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अपने संयंत्रों और खानों में लॉजिस्टिक्स और परिचालन दक्षता को मजबूत करने के लिए राइट्स लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। समझौता ज्ञापन पर, सेल की ओर से ईडी (प्रचालन) पीके बैसाखिया और राइट्स की ओर से ईडी (तकनीकी सेवाएं) संदीप जैन ने सेल और राइट्स के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

आरंभ का 'शाम-ए-गजल' का आयोजन 8 फरवरी को

भिलाई। साहित्यिक संस्था 'आरंभ' के तत्वावधान में 'शाम-ए-गजल' का आयोजन दोपहर 1.30 बजे से इंडियन काफी हाउस भिलाई निवास में 8 फरवरी को किया जा रहा है। आरंभ के अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य ने बताया कि इसमें अब्दुल लतीफ खान, अब्दुल सलाम कौसर, सुखनवर हुसैन, आलिम नकवी, आरडी अहिरवार, पूरन जायसवाल, इरफानुद्दीन इरफान, डॉ. नौशाद अहमद सिद्दीकी 'सब्र', राकेश गुप्ता 'रुसिया' और शाहीन अंसारी आमंत्रित शायर होंगे। वहीं 'आरंभ' के मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा, मुख्य सलाहकार डॉ. महेश चंद्र शर्मा, हेमचंद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार भूपेंद्र कुलदीप, सुप्रसिद्ध कवयित्री संतोष झांझी और जनवादी अंतरराष्ट्रीय शायर मुमताज अतिथि रहेंगे।

डॉ. शशि को ललित कला के क्षेत्र में शोध के लिए डॉक्टरेट

भिलाई। चित्रकार एवं शिक्षिका डॉ. शशि प्रिया को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के 17वें दीक्षांत समारोह में चित्रकला (ललित कला) में डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया। यह समारोह राज्यपाल रमेन डेका, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक अनुज शर्मा और कुलपति डॉ. लवली शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। एएएफटी रायपुर के दृश्य कला विभाग की संकाय सदस्य डॉ. शशि प्रिया ललित कला के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनके पिता रिखी क्षत्रिय एक प्रसिद्ध लोक कला संग्राहक हैं।

कामधेनु विवि की लाइब्रेरी को बेस्ट लाइब्रेरी सम्मान

दुर्ग। कामधेनु विवि की लाइब्रेरी छत्तीसगढ़ की बेस्ट एकेडमिक लाइब्रेरी घोषित की गई। छत्तीसगढ़ लाइब्रेरी एसोसिएशन ने पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. दिलीप चौधरी को सम्मानित किया। पुरस्कार समारोह में राज्यभर से पुस्तकालयकर्मी, प्राध्यापक, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के छात्र, शोधार्थी तथा शिक्षा जगत से जुड़े कई नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुस्तकालय आंदोलन को सशक्त करना तथा अध्ययन और शोध की संस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा।

भिलाई में इस साल भव्य होगा रामनवमी उत्सव 'एक मुट्ठी दान-श्रीराम के नाम' का दिया मंत्र

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं संरक्षक श्री पाण्डेय ने की कार्ययोजना बैठक की अध्यक्षता

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति की महत्वपूर्ण बैठक सेक्टर-9 में आयोजित हुई, जिसमें आगामी 26 मार्च को होने वाले भव्य श्रीरामनवमी उत्सव एवं शोभायात्रा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में समिति के संरक्षक एवं प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने समिति द्वारा वर्षों से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला और 'एक मुट्ठी दान-श्रीराम के नाम' अभियान पर भी विचार साझा किए।

श्री पाण्डेय ने कहा कि पिछले चार दशकों से समिति द्वारा निरंतर आयोजित यह पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आस्था का प्रतीक है। उन्होंने भारतीय परंपराओं में प्रकृति पूजन की विशेषता बताते हुए कहा कि पर्वत, नदियों, वृक्षों और पक्षियों की पूजा हमारी संस्कृति में पर्यावरण के प्रति सम्मान का संदेश देती है। श्रीरामनवमी का पर्व धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है।

बैठक में समिति के युवा विंग अध्यक्ष एवं भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनीष पाण्डेय ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा और आदर्शों की मिसाल है। इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भक्ति संध्या से सुसज्जित होगा। उन्होंने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी और 'एक मुट्ठी दान - श्रीराम के नाम' अभियान के माध्यम से अन्न संग्रह कर महाप्रसाद तैयार किया जाएगा। उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि इस वर्ष का आयोजन ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप में किया जाएगा। शोभायात्रा के दौरान पुष्पवर्षा, झांकियों, रामायण पाठ, भजन संध्या और धार्मिक प्रवचन का आयोजन होगा। श्रीराम चौक दशहरा मैदान में ध्वजवाहकों का सम्मान किया जाएगा।

समिति के प्रांतीय महामंत्री बुद्धन ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष की शोभायात्रा में 1101 मठ-मंदिरों की लघु शोभायात्राएं शामिल होंगी, जिनमें बाबा भोलेनाथ, भगवान चतुर्भुजी, माँ बम्लेश्वरी और माँ दंतेश्वरी की शोभायात्राएं प्रमुख होंगी। ये शोभायात्राएं विभिन्न क्षेत्रों से प्रारंभ होकर शाम 7 बजे पावर हाउस अंबेडकर चौक पर मिलेंगी और श्रीरामलीला मैदान तक पहुँचेंगी, जहाँ विशेष धर्मसभा एवं झांकी प्रदर्शन होगा। पारंपरिक अखाड़े, पंथी नृत्य, राउत नाचा और भव्य झांकियां विशेष आकर्षण होंगे। पूरा मार्ग सुसज्जित रहेगा और श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शोभायात्रा का स्वागत करेंगे।

बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष रमेश माने, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय, जिलाध्यक्ष मदन सेन, महिला शाखा अध्यक्ष शीला बाघमार, महामंत्री बसंत प्रधान, अरविंद वर्मा, जोगिंदर शर्मा, मेघा कौर, गीतांजलि कौशिक, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, पूर्व सभापति श्यामसुंदर राव, विनोद सिंह, धर्मेंद्र, भोला साहू, ईश्वरी नेताम, केके तिवारी, विष्णु पाठक, रविन्द्र भगत, लालचंद मौर्य, प्रखण्ड अध्यक्ष तिलकराज यादव, आदि उपस्थित थे।

बीएसपी के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में 'ब्लूम वाटिका' का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 के डिस्पैच प्रवेश द्वार के समीप हरित उद्यान 'ब्लूम वाटिका' का उद्घाटन 30 जनवरी, 2026 को मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (आयरन) तापस दासगुप्ता द्वारा किया गया। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एसएमएस-3) टी. बैठा एवं महाप्रबंधक (एसएमएस-3) डी. विजिथ के नेतृत्व में टीम ने सुनियोजित तरीके से अनुपयोगी एवं अव्यवस्थित स्थल को उपयोगी, पर्यावरण-अनुकूल एवं सौंदर्यपूर्ण वाटिका में रूपांतरित किया।

उद्घाटन अवसर पर अपने संबोधन में तापस दासगुप्ता ने टीम एसएमएस-3 को सतत सुधार, पर्यावरण संरक्षण तथा संगठनात्मक उत्कृष्टता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल कार्यस्थल के सौंदर्यीकरण में सहायक हैं, बल्कि कर्मचारियों में स्वामित्व भाव, अनुशासन एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को भी सुदृढ़ करती हैं।

उल्लेखनीय है कि ये वह क्षेत्र था जहाँ पूर्व में स्क्रैप एवं मलबे का जमाव रहता था, जो अब सुव्यवस्थित एवं आकर्षक हरित उद्यान 'ब्लूम वाटिका' के रूप में विकसित हो चुका है। 'ब्लूम वाटिका' के विकास में बीएसपी द्वारा तापस दासगुप्ता के मार्गदर्शन में विकसित ग्रीन टाइल्स का उपयोग किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर नितिन नबीन को महापौर अलका बाघमार ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर नितिन नबीन से नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने अपने एमआईसी मेयर-इन-काउंसिल के साथियों देव नारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शशि साहू, पार्षद अजित वैध के साथ दिल्ली में सौजन्य मुलाकात की। महापौर ने नितिन नबीन को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा नगर निगम दुर्ग की ओर से उन्हें सम्मान स्वरूप सौजन्य भेंट प्रदान की। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नितिन नबीन के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए दवा छिड़काव जारी

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मौसमी बिमारियों की रोकथाम के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुराने पानी के जमाव वाले स्थलों की जांच की जा रही है। नागरिको को बिमारियो से बचाव हेतु स्वास्थ्य शिक्षा एवं दवाई वितरण कर पाम्पलेट वितरण किया जा रहा है। आयुक्त राजीव पाण्डेय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक केके सिंह. के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग का विशेष दस्ता तथा जिला मलेरिया विभाग की संयुक्त टीम घर-घर पहुंचकर मच्छर उन्मूलन हेतु कार्य कर रही है। मच्छर लार्वा नियंत्रण हेतु पानी मिश्रीत एक्यूगार्ड एवं व्यस्क मच्छरों के नियंत्रण हेतु मेलाथियान का छिड़काव, उपयुक्त स्थानों पर किया जा रहा है।

एससी/एसटी विक्रेताओं के लिए वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के विक्रेताओं के लिए 30 जनवरी, 2026 को इस्पात भवन में एक विशेष वेंडर डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एससी/एसटी वर्ग के विक्रेताओं को भिलाई इस्पात संयंत्र के साथ पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित करना, उन्हें बीएसपी के ई-टेंडर पोर्टल (एसआरएम प्लेटफॉर्म) की जानकारी देना, टेंडर प्रक्रिया से अवगत कराना तथा उनके व्यवसायिक विकास को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में कुल 22 विक्रेताओं ने ऑनलाइन (जूम) एवं ऑफलाइन माध्यम से सहभागिता की। इस अवसर पर वेंडर डेवलपमेंट सेल के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बीएसपी की विभिन्न श्रेणियों में आवश्यक सामग्रियों, वेंडर पंजीकरण प्रक्रिया तथा अवसरों पर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रतिभागियों को अवगत कराया गया कि वर्तमान में 47 टेंडर्स विशेष रूप से एससी/एसटी उद्यमियों के लिए आरक्षित की गई हैं तथा भविष्य में इनकी संख्या बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है।

इसके साथ ही ई-टेंडर पोर्टल पर एक विस्तृत तकनीकी प्रस्तुति दी गई, जिसमें वेंडर लॉग-इन, टेंडर सबमिशन प्रक्रिया एवं अन्य तकनीकी पहलुओं की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम के दौरान एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विक्रेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए वेंडर डेवलपमेंट सेल के प्रभारी एम. शर्मा ने विक्रेताओं से भिलाई इस्पात संयंत्र में उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जा रही सुविधाओं का पूर्ण उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यशाला का संचालन वेंडर हेल्प डेस्क से पी. जनबंधु एवं उपासना देशमुख द्वारा किया गया। प्रतिभागियों ने भिलाई इस्पात संयंत्र की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

थैंक-यू भिलाई के मंच से विभूतियों का सम्मान, प्लास्टिक फ्री की शपथ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई की स्थापना की स्मृति में शपथ फाउंडेशन, भिलाई द्वारा आयोजित थैंक-यू भिलाई कार्यक्रम इस वर्ष अत्यंत भव्य, भावनात्मक एवं ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। स्मारक पार्क, सिविक सेंटर में आयोजित इस आयोजन ने भिलाई की आत्मा, उसकी बहुसांस्कृतिक पहचान, सेवा-भावना और सामाजिक समरसता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। यह आयोजन अपने 9 सफल वर्षों की यात्रा पूर्ण कर 10वें वर्ष में प्रवेश किया।

शुरुआत धर्मगुरुओं की गरिमामयी उपस्थिति में हुई। इसके पश्चात 'थैंक-यू भिलाई' के प्रतीकात्मक कट-आउट के साथ गुब्बारे उड़ाकर आयोजन का शुभारंभ किया गया, जिसने भिलाई के प्रति कृतज्ञता, गर्व और भावनात्मक जुड़ाव को नई ऊँचाई प्रदान की। अतिथि आईपी मिश्रा, मंत्री राकेश पाण्डेय, श्रुति यादव, राजेश चौहान, एसपी सुखनन्दन राठौड़, दिव्या भसीन ने दीप प्रज्वलित किया।

इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 9 विभूतियों को भिलाई नवरत्न सम्मान प्रदान किया गया। चिकित्सा, शिक्षा, साहित्य, समाजसेवा, कला-संस्कृति, उद्योग, महिला सशक्तिकरण, खेल एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सतत और प्रेरणादायी कार्य करने वाले नवरत्नों को सम्मानित कर भिलाई ने अपने सच्चे गौरव को नमन किया।

भिलाई नवरत्न सम्मान से सम्मानित होने वाली विभूतियाँ में चिकित्सा डॉ. प्रमोद बिनायके, साहित्यकार विनोद साव, शिक्षा सुश्री के. शारदा, समाजसेवा बंशी अग्रवाल, कला एवं संस्कृति में रितु वर्मा, उद्योग में जीतेन्द्र गुप्ता, महिला सशक्तिकरण में श्रीमती निधि चंद्राकर, खेल में श्री दलजीत सिंह थिंड तथा पर्यावरण संरक्षण में मुकेश पांडे को यह सम्मान प्रदान किया गया।

इसके अलावा चतुर्भुज राठी को राम की रसोई के माध्यम से निरंतर अन्नसेवा हेतु, दीक्षा नागदेवे को शिक्षा, सेवा एवं सोनू सूद चैरिटी क्लब के माध्यम से किए गए मानवीय कार्यों हेतु तथा भूपेंद्र नेमा को बीएनआई के माध्यम से व्यापारिक एकता एवं सामाजिक सहभागिता को सशक्त करने हेतु सम्मानित किया गया।

इस वर्ष कुल 21 समाजों एवं संस्थाओं को समाज श्री सम्मान प्रदान किया गया, जिसने भिलाई की लघु भारत पहचान और विविधता में एकता की संस्कृति को सशक्त रूप से मंच पर प्रस्तुत किया। विकास जायसवाल के द्वारा हेरिटेज टॉक तथा भिलाई से जुड़े प्रश्न-उत्तर सत्र ने दर्शकों को सक्रिय सहभागिता का अवसर दिया।

उपस्थित जनसमूह को प्लास्टिक मुक्त भिलाई का संकल्प दिलाया गया तथा कपड़े के थैलों का वितरण किया गया। स्वागत भाषण शपथ फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक गुप्ता द्वारा दिया गया, जबकि संस्था के संरक्षक एवं पूर्व सीएसपी वीरेंद्र सतपति द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन शपथ फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य विकास जायसवाल द्वारा किया गया। अंत में जितेन्द्र हासवनी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

आयोजन को सफल एवं वृहद बनाने में मोहन राव, बी. पोलम्मा दीदी, अशोक साहू, हनी अंबेड, आशु महाजन, रश्मि सागर की विशेष भूमिका रही। अंत में आयोजकों ने भिलाईवासियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, सम्मानित अतिथियों, धर्मगुरुओं, कलाकारों, स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

रजत जयंती महोत्सव : दो सड़कों के कार्यों के लिए 27.75 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव के विशेष अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों में जन सामान्य को आवागमन सुगम बनाने के लिए महत्वपूर्ण सड़क निर्माण के कार्यों को कराने के लिए स्वीकृति जारी की गई है। इसी कड़ी में रजत जयंती के विशेष मौके पर जिला बेमेतरा के अंतर्गत बहिंगा तिवरैया सिमगा ग्रामीण पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य लम्बाई 12 किलोमीटर केलिए 11 करोड़ 81 लाख 12 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी तरह बेरला से कोदवा देवरबीजा करमू मार्ग 22 किलोमीटर का दो लेन मजबूतीकरण कार्य के लिए 15 करोड़ 94 लाख एक हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। क्षेत्र में इन महत्वपूर्ण सड़कों के कार्यों की स्वीकृति मिलने से लोगो का आवागमन और सुविधा जनक हो जाएगा। इन मार्गों के कार्य क्षेत्रीय लोगों के आवागमन के लिए अति महत्वपूर्ण है। इन कार्यों की स्वीकृति मिलने से सड़क निर्माण कार्य शीघ्र होने से लोगो को सुविधा होगी।

महतारी वंदन योजना बना सेवती बाई के लिए मददगार

बालोद। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य में प्रारंभ किए गए महतारी वंदन योजना राज्य के अनेक जरूरतमंद महिलाओं के लिए हर दृष्टि से बहुपयोगी एवं लाभप्रद सिद्ध हो रहा है। इसी कड़ी में राज्य सरकार के महतारी वंदन योजना जिले के बालोद विकासखण्ड के ग्राम देवारभाट आंगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका श्रीमती सेवती बाई ठाकुर के लिए अत्यंत मददगार एवं उपयोगी साबित हो रहा है। महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह मिलने वाली 01 हजार रूपये की राशि का उपयोग श्रीमती सेवती बाई अपने बच्चों के शिक्षण शुल्क जमा करने के साथ-साथ अन्य आवश्यक कार्यों में कर रही हैं। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह उनके खाते में समय पर राशि जमा हो जाने से अब वे निश्चिंत होकर शासकीय दायित्वों के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों का भी निर्वहन कर पा रही है। इस योजना का सराहना करते हुए सेवती बाई ने बताया कि राज्य शासन का महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना हमारे जैसे अनेक जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल वक्त का सहारा बनकर वरदान साबित हो रही है।

विकास कार्यों में तेजी : जनपद सीईओ ने लिया पीएम आवास योजना का जायजा

बालोद। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी निखत सुल्ताना ने आज ग्राम पंचायत बेलौदी एवं मटिया ह के निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण कर हितग्राहियों से चर्चा की। उन्होंने हितग्राहियों से आवास निर्माण की प्रगति, भुगतान की स्थिति एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से प्राप्त लाभों की जानकारी ली। उन्होंने अप्रारंभ आवास के हितग्राहियों को जल्द आवास निर्माण शुरू कराने तथा निर्माणाधीन आवास के हितग्राहियों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। सीईओ ने हितग्राहियों को आश्वस्त किया कि किस्त राशि आवास निर्माण के अनुरूप जल्द प्राप्त होंगी, इसमें किसी भी प्रकार का विलम्ब नहीं होगा। उन्होंने संबंधित सचिव एवं रोजगार सहायक को गुणत्तायुक्त आवास निर्माण करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ पंचायतों को आवश्यक सामाग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं हितग्राही उन्मुखीकरण पर भी जोर दिया।समन्वयक नीलम चन्द्राकर, सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित थे।

नवाचार की मिसाल : पोटाकेबिन में 'वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट' के जरिए लहलहा उठी बगिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिला प्रशासन के स्किल डेवलपमेंट और पर्यावरण संरक्षण के विजन को धरातल पर उतारते हुए कोण्टा ब्लॉक मुख्यालय में स्थित शासकीय बालक हाईस्कूल (पोटाकेबिन) ने एक सराहनीय उदाहरण पेश किया है।

यहाँ के प्राचार्य और शिक्षकों ने सीमित संसाधनों और पानी की कमी के बावजूद श्वेस्ट वाटर मैनेजमेंटश् की ऐसी तकनीक विकसित की है, जिसने न केवल 100 पौधों को जीवनदान दिया है, बल्कि छात्रों के लिए व्यावहारिक शिक्षा का एक नया द्वार भी खोल दिया है। संस्था परिसर के समीप स्थित एकलव्य विद्यालय से व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को सहेजने के लिए प्राचार्य ने एक अनूठी कार्ययोजना बनाई। संसाधनों की कमी को आड़े न आने देते हुए, प्राचार्य और उनके सहयोगी शिक्षकों ने श्कबाड़ से जुगाड़श् तकनीक का उपयोग किया। इसमें पुराने बेकार पड़े पाइपों और मात्र आधे हॉर्सपावर के टुल्लू पंप के मेल से एक प्रभावी ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) सिस्टम तैयार किया गया। यह प्रयास केवल पौधों को पानी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के कौशल विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। छात्र अब अपने घरों और किचन गार्डन में नालों के व्यर्थ पानी का उपयोग कर सब्जी उत्पादन की तकनीक सीख रहे हैं। यह नवाचार बच्चों में पारंपरिक खेती के बजाय आधुनिक और व्यावसायिक कृषि के प्रति रुचि जगा रहा है।

संस्था के इस सामूहिक प्रयास से स्कूल परिसर ईको-फ्रेंडली जोन में तब्दील हो गया है। प्रशासन ऐसे प्रयासों की सराहना करता है, क्योंकि यह न केवल सरकारी योजनाओं को सफल बनाते हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग की प्रेरणा भी देते हैं।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने द स्टोरी ऑफ किंग भोरमदेव 'राजा भोरमदेव की कहानी' पुस्तक का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विधायक कार्यालय कवर्धा में द स्टोरी ऑफकिंग भोरमदेव 'राजा भोरमदेव की कहानी' पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक के रचनाकार रामप्रसाद बघेल को उप मुख्यमंत्री ने बधाई तथा आगे के सफल साहित्यिक कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। श्री शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक जिलेवासियों के लिए गर्व का विषय है तथा इससे हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं को नयी पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। यह कहानी अंर्तराष्ट्रीय स्तर का है इस पुस्तक के प्रकाशन से भोरमदेव की ख्याति को अंर्तराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पुस्तक न केवल राजा भोरमदेव के जीवन और काल की महिमा को उजागर करता है, बल्कि मनुष्य, प्रकृति और चेतना के बीच संतुलन की गूढ़ दार्शनिकता को भी बखूबी प्रस्तुत करता है। उन्होंने आग्रह किया कि वे इस पुस्तक को पढ़ें और इसके संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करें। लेखक रामप्रसाद बघेल ने बताया कि 'राजा भोरमदेव की कहानी' की शुरुआत एक प्राचीन और रहस्यमयी युग से होती है, जब पृथ्वी पर आकाश से गिरा एक विशाल धूमकेतु ने न केवल प्राकृतिक संतुलन को बाधित किया, बल्कि अंधकार से ऊर्जा प्राप्त करने वाले ड्रैगन जैसे घातक प्राणियों का आगमन भी किया। ये प्राणी अंधकार में और अधिक शक्तिशाली होते गए तथा धीरे-धीरे संपूर्ण पृथ्वी को एक भयावह अनंत संध्या की ओर ले जाने लगे, जहाँ मानव, पशु और प्रकृति कोई भी सुरक्षित नहीं रहा। कथा का प्रमुख नायक कुरुगुरु भद्रदेव बैगा है, जो विज्ञान, अध्यात्म एवं प्रकृति के संतुलन को समझता है। विद्वानों के नेतृत्व में यह खोज की जाती है कि ड्रैगनों के माथे पर चमकता नीला चिह्न कोई सजावट नहीं, बल्कि अंधकार से ऊर्जा खींचने वाला यंत्र है, और जैसे-जैसे अंधकार बढ़ता है, वे और अधिक अजेय बनते जाते हैं।

कहानी में एक प्राचीन राजवंश के शासक राजा परसमनिधर देव तथा रानी नागमती की गहन तपस्या और दिव्य-वैज्ञानिक शक्तियों का विवरण भी मिलता है। राजा के पास पारस रत्न है, जो सूर्य की ऊर्जा से पदार्थ और जीवन को रूपांतरित करने की क्षमता रखता है, जबकि रानी नागमती के पास नागमणि यंत्र है, जो किसी भी पदार्थ को नष्ट करने अथवा विष को निष्प्रभावी बनाने की शक्ति रखता है। कहानी केवल युद्ध और संघर्ष की नहीं है, बल्कि प्रेम, नियति एवं चेतना की भी है। झील के तट पर बिना शब्दों के केवल दृष्टियों और अनुभूतियों से राजा और रानी का प्रेम जन्म लेता है। उनका विवाह दो शक्तिशाली वंशों का नहीं, बल्कि विज्ञान, प्रकृति और चेतना के मिलन का प्रतीक बनता है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशीराम धुर्वे, संतोष पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कवर्धा गणेश तिवारी, बोडला नंद श्रीवास, नरेंद्र मानिकपुरी, मनीराम साहू, अमर कुर्रे, प्रवीण शर्मा, जसबीर सालुजा, शैलेन्द्र उपाध्याय सहित जन प्रतिनिधि, क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

कच्चे घर से पक्के घर तक: प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से साकार हुआ हेमंत सिंह का सपना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। विकासखण्ड अकलतरा के ग्राम पंचायत चंदनियां के निवासी हेमंत सिंह के लिए पक्का मकान कभी एक सपना हुआ करता था। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण हेमंत सिंह खपरे और टीन की छत वाले कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। आर्थिक अभाव के कारण न तो वे घर की मरम्मत करा पा रहे थे और न ही छप्पर या टीन बदलने की स्थिति में थे। बरसात के दिनों में उनका परिवार भारी कठिनाइयों का सामना करता था।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने उनके जीवन में आशा की नई किरण जगाई। वर्ष 2024-25 में शासन द्वारा उनका चयन कर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 1.20 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई। यह राशि सीधे उनके बैंक खाते में आबंटित की गई, जिससे उन्हें अपने पक्के मकान के निर्माण का अवसर प्राप्त हुआ। स्वीकृत राशि प्राप्त होने के पश्चात हितग्राही हेमंत सिंह द्वारा आवास निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया। आज वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित, मजबूत और पक्के मकान में सम्मानपूर्वक जीवन

यापन कर रहे हैं। इसके साथ ही वे उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एल.पी.जी. गैस कनेक्शन तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत जलवाहित शौचालय निर्माण का लाभ भी प्राप्त कर चुके हैं, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है।परिवार के सदस्य कहते है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण जैसी योजनाएं गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। यह योजना न केवल सिर पर छत देती है, बल्कि सम्मानजनक जीवन जीने का आत्मविश्वास भी प्रदान करती है। वे इसके लिए शासन और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इस योजना से उनके जैसे लाखों गरीबों का पक्का मकान का सपना साकार हो रहा है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक ने आईजीकेवी उत्पाद विक्रय काउंटर का अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

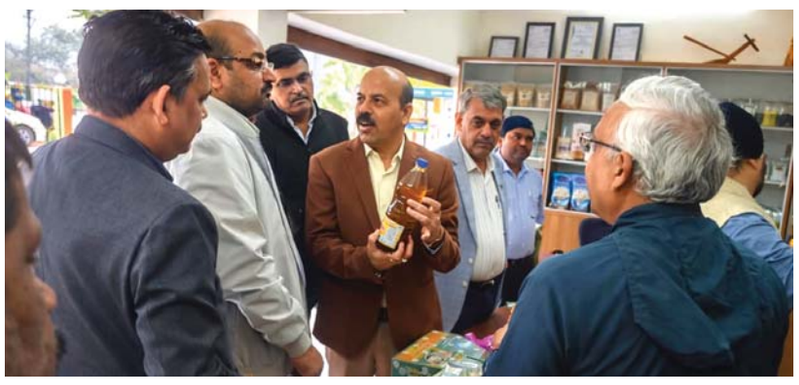

रायपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट ने आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के उत्पाद विक्रय काउंटर का दौरा कर विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न कृषि उत्पादों, तकनीकों एवं मूल्य संवर्धित वस्तुओं का अवलोकन किया। डॉ जाट ने कृषि विश्वविद्यालय की इस अभिनव पहल की सराहना की. इस अवसर पर उन्होंने वैज्ञानिकों, कृषि उद्यमियों तथा आईजीकेवी से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) एवं एफ़पीओ प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस विक्रय केंद्र में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषक उत्पाद संगठनों तथा महिला स्व सहायता समूहों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पादों का विक्रय किया जा रहा है।

भ्रमण के दौरान डॉ. जाट के साथ प्रमुख रूप से डॉ. डी. के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), आईसीएआर; डॉ. राजवीर सिंह, उप महानिदेशक (विस्तार), आईसीएआर; डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति, आईजीकेवी; डॉ. पी. के. रॉय, निदेशक, एनआईबीएसएम, रायपुर; डॉ. एस. आर. के. सिंह, निदेशक, अटारी जोन-ड्ढ्ढ, जबलपुर तथा डॉ. एस. एस. टुटेजा, निदेशक, विस्तार सेवाएं, आईजीकेवी, रायपुर उपस्थित थे।

महानिदेशक ने आईजीकेवी की अनुसंधान, विस्तार एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण गतिविधियों की समीक्षा की तथा विभिन्न महाविद्यालयों, केवीके एवं केवीके-समर्थित एफ़पीओ द्वारा तैयार उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने बाजारोन्मुख कृषि, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग और व्यावसायीकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मंत्री लखन लाल देवांगन ने 25 लाख की लागत से बने सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा विधायक और छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने रविवार को कन्नौजिया राठौर समाज के 25 लाख की लागत से बने सामुदायिक भवन के ऊपरी तल का लोकार्पण और साहू समाज, तैलिक विकास समिति बालको नगर के भवन एवं अन्य विस्तार कार्य लागत 20 लाख का विधिवत भूमि पूजन कर विकास कार्यों की सौगात दी।

मैगजीन भाटा दादर खुर्द स्थित कनौजिया राठौर समाज के वार्षिक सम्मेलन और लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए मंत्री लखन लाल देवांगन ने नवनिर्मित भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कन्नौजिया राठौर समाज आज हर क्षेत्र में अग्रसर है, समाज का स्नेह और आशीर्वाद प्रारंभ से मुझे मिलता रहा है,महापौर कार्यकाल में इस भवन की नींव रखी गई थी। पिछली बार कार्यक्रम में समाज ने 25 लाख की लागत के ऊपरी तल के निर्माण के लिए आग्रह किया था, जिसे सहर्ष स्वीकार करते हुए स्वीकृति दी गई थी। मुझे आज गौरवान्वित महसूस हो रहा है की आज इस परिसर के ऊपरी तल का लोकार्पण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने मंच की विकास कार्य हेतु 7 लाख की अतिरिक्त घोषणा की।

कनौजिया राठौर समाज के जिला अध्यक्ष श्री सीताराम राठौर ने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है की लखन लाल देवांगन जैसा नेतृत्व कर्ता कोरबा नगर का विधायक और छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री हैं। समाज के हर सार्वजनिक कार्यक्रमों में मंत्री देवांगन आत्मीय रूप से सम्मिलित होते हैं, जब भी समाज ने मांग की है तब तब हर्ष के साथ उन्होंने स्वीकृति दी है। कन्नौजिया राठौर समाज का पूरा आशीर्वाद सदैव मंत्री लखन लाल देवांगन पर बना रहेगा।

इसी तरह साहू समाज तैलिक विकास समिति बालकोनगर के भवन के भूमि पूजन और स्नेह सम्मेलन में शामिल हुए मंत्री श्री देवांगन ने भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना कर 20 लाख की लागत से बनने वाले भवन एवं अन्य विकास कार्यों का भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने कहा कि मेहनत और ईमानदारी साहू समाज की पहचान है जिसके कारण समाज आज हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य समाजों को साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता साहू समाज में निहित है। साहू समाज तैलिक विकास समिति बालको नगर को आज 20 लाख की सौगात देते हुए हर्ष हो रहा है। समाज का स्नेह और भक्ति माता कर्मा का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी और ताकत है उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी द्वारा विकास कार्यों के लिए लगातार विकास कार्यों के लिए राशि दी जा रही है, शहर के विकास के साथ-साथ हर समाज की मांग अनुरूप विकास कार्य उनकी प्राथमिकता है।

13 पैरा खिलाड़ी 32 पदक जीतकर बना ओवरऑल चौंपियन

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से आज 16वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कबीरधाम जिले के खिलाड़ियों ने सौजन्य मुलाकात की। खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन की जानकारी साझा की तथा प्रतियोगिता के अनुभव भी बताए। गौरतलब है कि राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के 13 पैरा खिलाड़ियों ने कुल 32 पदक जीतकर जिले को ओवरऑल चौंपियन बनाया। खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे जिले में गर्व और उत्साह का वातावरण है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता केवल पदकों की संख्या नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के संघर्ष, आत्मविश्वास और अटूट हौसले की जीत है। उन्होंने कहा कि कबीरधाम के दिव्यांग खिलाड़ियों ने यह साबित किया है कि शारीरिक चुनौतियाँ सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं, यदि मन में दृढ़ संकल्प और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। उन्होंने खिलाड़ियों से चर्चा के दौरान कहा कि प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के 13 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में कुल 32 पदक जीतकर पूरे प्रदेश में जिले का नाम गौरवान्वित किया है। पूरे आयोजन के दौरान कबीरधाम के खिलाड़ियों का दबदबा बना रहा। खिलाड़ियों ने अपने अनुशासन, कठिन परिश्रम, समर्पण और खेल भावना से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और उन्हंन बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं एवं अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों के लिए उनके क्षेत्र में ही मिनी स्टेडियम बनाएं जा रहे है। 16वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अर्जित किए। छोटी मेहरा ने तवा फेंक और गोला फेंक दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अनिल कुमार ने गोला फेंक और भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। खिलेश्वर पटेल ने 400 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़ तथा लंबी कूद में स्वर्ण पदक हासिल किए, जबकि सुखनंदन निषाद ने 200 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़ और लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। देव सिंह अहीरे ने भाला फेंक और गोला फेंक में रजत पदक प्राप्त किया।

अरुण वर्मा ने भाला फेंक, लंबी कूद और गोला फेंक में स्वर्ण पदक जीते, साथ ही 100 मीटर दौड़ एवं 200 मीटर दौड़ में रजत पदक भी हासिल किए। गांधी कुर्रे ने भाला फेंक और लंबी कूद में स्वर्ण पदक, जबकि 100 मीटर दौड़ और गोला फेंक में रजत पदक प्राप्त किए। आमीन खान ने लंबी कूद और गोला फेंक में स्वर्ण पदक तथा तवा फेंक में रजत पदक जीता। शिवकिंकर नेताम ने तवा फेंक में स्वर्ण पदक, गोला फेंक में रजत पदक और भाला फेंक में कांस्य पदक प्राप्त किया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

कृति सेनन ने खास दोस्त का किया शुक्रिया नूपुर की शादी के लिए डिजाइन किए थे कपड़े

कृति सेनन ने अपने खास दोस्त के लिए एक पोस्ट शेयर कर उनका धन्यवाद किया है। दरअसल, प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर ने कृति की बहन नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की हिंदू शादी के लिए उनके पूरे परिवार को तैयार किए थे।

कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने 10 जनवरी 2026 को सिंगर स्टेबिन बेन से शादी कर ली। यह शादी उदयपुर में बहुत खूबसूरती से हुई, जिसमें पहले क्रिश्चियन रस्में हुईं और फिर हिंदू रीति-रिवाज से भी विवाह पूरा हुआ। इस हिंदू शादी में सेनन परिवार के सभी सदस्यों के कपड़े फैशन डिजाइनर ने डिजाइन किए थे। जिनका शुक्रया कृति ने अपनी एक खास पोस्ट के जरिए किया है।

शादी में नूपुर बहुत सुंदर लग रही थीं। कृति और पूरा सेनन परिवार भी खूब सजा-धजा नजर आया। उन्होंने मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के डिजाइन किए हुए कपड़े पहने थे। कृति ने इंस्टाग्राम पर मनीष मल्होत्रा को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा कि मनीष ने पूरे परिवार को इतने प्यार और ध्यान से तैयार किया कि हर कोई बहुत खुश और आरामदायक महसूस कर रहा था। कृति ने आगे लिखा, 'दुल्हन से लेकर माता-पिता तक, सबके चेहरे पर खुशी साफ दिख रही थी। कृति ने कहा कि उनके मम्मी-पापा पहली बार मनीष मल्होत्रा का आउटफिट पहनकर बहुत खुश थे।'

मनीष मल्होत्रा ने कृति की इस पोस्ट पर जवाब देते हुए लाल दिल वाले इमोजी बनाया और लिखा, 'मेरी प्यारी कृति, मैं तुम्हें मॉडलिंग के दिनों से जानता हूं और तुम बहुत खास हो और तुम्हारा परिवार भी बहुत प्यारा है।' इसके साथ ही मनीष ने लिखा की उन्होंने शादी में सभी के साथ खूब मस्ती की।

कब रिलीज होगी 'कॉकटेल 2'?

कृति सेनन 2026 में काफी व्यस्त रहने वाली हैं। उनकी कई फिल्में आने वाली हैं। कृति एक्टर शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। यह फिल्म रोमांटिक कॉमेडी है और इसका शूटिंग हाल ही में खत्म हुई है। यह 2026 के अंत तक रिलीज हो सकती है।

आलिया भट्ट की अमेजन प्राइम वीडियो के साथ अगली पेशकश

फिल्म डोंट बी शाय का ऐलान

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय। यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया ने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर किया है। जानिए इस फिल्म में क्या खास है?

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय है। इस फिल्म को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंसन के तले बनाया गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें आलिया कहती हैं- क्या कहानी में सब कुछ है। रोमांस है, दिल टूटता है, गाना है, लड़कियां, लड़के, और एक कछुआ भी...। दरअसल, यह एक ऐसी कहानी जिसके साथ आप बड़े होते हैं।

आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट में लिखा, वाह, शानदार, बहुत बढ़िया किया आपने, फिल्म निर्माता अशर आस्कन ने लिखा, अब तक की सबसे प्यारी घोषणा, एक फैन ने लिखा, आपकी एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है, दूसरे फैन ने लिखा, यह तो बेहद रोमांचक लग रहा है, इतने लंबे समय बाद ऐसी कोई फिल्म आई है, यह कमाल की होने वाली है।

आलिया भट्ट लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

श्रिया सरन पर लगा साउथ की एक्ट्रेस होने का लेबल! इस जवाब से लोगों को किया खामोश

अभिनेत्री श्रिया सरन ने खुद को साउथ की एक्ट्रेस बुलाए जाने पर बात की है। उन्होंने साउथ के साथ कई हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है?

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

हिंदी परिवार में पली बढ़ीं अभिनेत्री

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा 'मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।'

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा 'क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।'

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा 'मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।'

तू या मैं में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मजबूत कड़ी है - पारुल गुलाटी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ-साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म तू या मैं में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने करियर का एक बेहद खास मौका बताया।

फिल्म तू या मैं में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी।

पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है बल्कि एक ऐसा इंसान है जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पडने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है।

पारुल ने कहा, लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास है क्योंकि मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती थी जिनमें किरदारों की गहराई हो और कहानी दिल से जुड़ी हो। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

आनंद एल राय के साथ काम करने के अनुभव को लेकर पारुल गुलाटी ने कहा, एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर इससे बेहतर सहयोग शायद मुझे कभी नहीं मिल सकता था। आनंद एल राय की फिल्में वही सिनेमा हैं, जिनकी ओर मैं हमेशा खिंचती रही हूं। यह एक ऐसा दुर्लभ मौका है, जो जिंदगी में कम ही मिलता है, जहां बड़ी स्क्रीन की भव्यता के साथ-साथ कहानी में दिल और भावना दोनों मौजूद हों।

पारुल गुलाटी ने फिल्म की पूरी टीम के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहा, मैं मेकर्स की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे लायरा जैसा मजबूत किरदार सौंपा। मेरे लिए एक अनोखी थ्रिलर और क्रिएचर यूनिवर्स का हिस्सा बनना बेहद खास अनुभव है।

दांतों के लिए साइलेंट किलर है सड़न, जानें कब बढ़ सकती है दांतों से जुड़ी समस्याएं

आयुर्वेद में दांतों की सडन् से बचने के लिए और मसूड़ों की मजबूती के लिए कई घरेलू उपाय बताए गए हैं, जिन्हें घर बैठे आराम से कर सकते हैं। पहला है लौंग के तेल का इस्तेमाल। लौंग का तेल दांतों के दर्द और बैक्टीरिया को कम करने का काम करता है, जिससे सडन् की प्रक्रिया कम हो जाती है। इसके लिए रात के समय लौंग के तेल को कुछ समय के लिए दांतों पर लगाकर छोड़ दें और पानी से साफ कर लें।

दूसरा है नीम से दातुन या कुल्ला। नीम प्राकृतिक एंटी बैक्टीरियल है, जो दांतों से बैक्टीरियल संक्रमण को कम करने में मदद करता है। वहीं नीम की दातुन भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। तीसरा है नारियल तेल से ऑयल पुलिंग। ऑयल पुलिंग दांतों के कोनो-कोनों में जाकर गंदगी को साफ करने का काम करती है और दांतों पर लगे पीलेपन को साफ करती है। इसके लिए तेल को मुंह के अंदर 5 मिनट के लिए घुमाएं और फिर कुल्ला कर लें।

चौथा है नमक और सरसों के तेल का मिश्रण। नमक और सरसों के तेल का मिश्रण दांतों के दर्द में राहत देता है और दांतों में पनप रहे बैक्टीरिया का भी नाश करता है। हफ्ते में तीन बार इस मिश्रण को लगाने से दांतों से पीलापन भी कम हो जाता है। इन नुस्खों के अलावा, आहार में बदलाव भी जरूरी हैं।

आहार में कैल्शियम और विटामिन डी शामिल करें। कैल्शियम और विटामिन डी दोनों मिलकर दातों को मजबूती देते हैं और मसूड़ों से खून आने की समस्या भी कम होती है। इसके साथ ही दांतों के लिए विटामिन सी भी जरूरी है; इसके लिए दिन में एक समय किसी खट्टे फल का सेवन जरूर करें। यह भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

दांतों में दर्द की परेशानी या सूजन की समस्या पर सभी ध्यान देते हैं, लेकिन सडन् दांतों के लिए साइलेंट किलर की तरह काम करती है। बाहर से चमकदार दिखने वाले दांतों के अंदर कब धीरे-धीरे छेद बन जाता है, ये पता ही नहीं चलता और जब चलता है, तब तक सडन् दांतों को घेर चुकी होती है। दांतों में सडन् की समस्या से असहनीय दर्द होता है और ये धीरे-धीरे सारे दांतों को संक्रमित कर देती है; ऐसे में दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। दांतों में सडन् की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से होती है और इसके लक्षण भी नजर नहीं आते हैं। दर्द के बाद पता चलता है कि दांतों में सडन् हो चुकी है। दांतों में सडन् के बहुत सारे कारण हो सकते हैं, जैसे ज्यादा मीठा खाना, सही तरीके से ब्रश और कुल्ला न करना, मुंह में लार में कमी होना, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, साथ ही रात में बिना ब्रश किए सो जाना। ये सभी कारण दांतों में सडन् पैदा करने के लिए काफी हैं।

खास खबर

मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत मंत्रालय में दो दिवसीय प्रशिक्षण

रायपुर। राज्य शासन के कर्मचारियों को क्षमता निर्माण के लिए मिशन कर्मयोगी के तहत कौशल और योग्यता को बढ़ाने प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंत्रालय महानदी भवन में आज से दो दिवसीय प्रशिक्षण 2 से 3 फरवरी तक आयोजित किया गया है। जिसमें मंत्रालय महानदी भवन में कार्यरत संयुक्त सचिव से लेकर सभी स्तर के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के जरिये अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतत् सीखने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। अधिकारी कर्मचारियों को यह प्रशिक्षण सामान्य प्रशासन विभाग सचिव के मार्गदर्शन में अवर सचिव सुश्री अंजु सिंह द्वारा दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मंत्रालय स्तर पर क्षमता निर्माण एवं डिजीटल दक्षता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों से की मुलाकात

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम प्रवास के दौरान विधायक कार्यालय में क्षेत्र से आए लोगों से मुलाकात की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को सुना और उनके निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और वे हर संभव प्रयास करेंगे कि लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए वे हर समय उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशीराम धुर्वे, संतोष पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कवर्धा गणेश तिवारी, बोडला नंद श्रीवास, नरेंद्र मानिकपुरी, मनीराम साहू, अमर कुर्रे सहित जन प्रतिनिधि, क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

'साप्ताहिक जनदर्शन' का आयोजन, बड़ी संख्या में उमड़े ग्रामीण

जांजगीर-चांपा । कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर एवं संयुक्त कलेक्टर संदीप ठाकुर ने आज आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम नागरिकों की समस्याएं एवं मांगों को संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आज जनदर्शन में कुल 106 आवेदन प्राप्त हुए है। जनदर्शन में आज जांजगीर तहसील अंतर्गत ग्राम मुनुन्द निवासी कन्हैया लाल कश्यप द्वारा नया राशन कार्ड बनाने, जांजगीर निवासी राजेश भार्गव मनरेगा जॉब कार्ड में पुन: पंजीकरण करवाने, अकलतरा तहसील के ग्राम पंचायत साँकर निवासी जगदेव सिंह द्वारा मुआवजा राशि दिलाने, पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम तनौद निवासी ठाकुर राम महिपाल प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि राशि का लाभ दिलाने, तहसील चांपा के संजय नगर निवासी सविता ट्राई साइकिल प्रदान करने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये।

परीक्षाओं के मद्देनजर कोलाहल पर लगा पूर्ण प्रतिबंध

जगदलपुर। बस्तर जिला प्रशासन ने आगामी स्कूली और महाविद्यालयीन परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील निर्णय लिया है। छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में किसी भी प्रकार का खलल न पड़े और वे एकाग्रचित्त होकर अपनी तैयारी कर सकें, इस उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आकाश छिकारा ने पूरे बस्तर जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। प्रशासन द्वारा जारी इस आदेश के अनुसार, कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की विभिन्न धाराओं के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए सुबह 6 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक लाउडस्पीकर, डीजे और तीव्र ध्वनि उत्पन्न करने वाले अन्य यंत्रों के प्रयोग पर रोक रहेगी।

कोंडागांव जिले में कसावा की खेती: कृषि विज्ञान केंद्र का नवाचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। कोंडागांव जिला भौगोलिक दृष्टि से वर्षा आधारित एवं आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जहाँ लंबे समय से धान एवं कुछ सीमित फसलों की खेती की जाती रही है, जिससे किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता, इस आशय कृषि विज्ञान केंद्र,कोंडागांव द्वारा कसावा फसल की खेती व मूल्य संवर्धन पर रविवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें केशकाल विकासखंड के अमोडा, डोंगइपारा,सलेभाट, सिंकागांव व चेरबेडा के 56 किसानों ने भाग लिया ।

इस कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.सुरेश कुमार मरकाम द्वारा किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया, उन्होंने बताया कि कसावा एक ऐसी फसल है जो कम पानी, कम उर्वरक एवं सीमित संसाधनों में भी सफलतापूर्वक उगाई जा सकती है तथा इससे खाद्य उत्पाद,स्टार्च, टैपिओका, आटा, चिप्स एवं पशु आहार जैसे अनेक उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं उन्होंने कसावा फसल की आर्थिक उपयोगिता,मूल्य संवर्धन की संभावनाओं तथा इसके माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करने की दिशा में विस्तार से जानकारी दी,जिससे किसानों को बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके ।

इस अवसर पर ग्राम सरपंच श्रीमती चंद्रकला सरकार ने कसावा की खेती को ग्रामीण एवं आदिवासी किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया,वहीं जिला महिला मुक्ति मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती सोमा दास ने इसे महिला किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए आजीविका का एक सशक्त साधन बताया।

इसके साथ ही केंद्र के भूपेन्द्र ठाकुर, शस्य वैज्ञानिक, द्वारा कसावा की उन्नत किस्म 'श्री जया' के पोषण गुणों पर प्रकाश डाला , जो विटामिन-ए से भरपूर किस्म है तथा अतिशीघ्र तैयार होने वाली फसल है, और विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण की समस्या को कम करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस किस्म के नियमित सेवन से बच्चों एवं महिलाओं में विटामिन-ए की कमी को दूर करने में मदद मिलती है, जिससे पोषण सुरक्षा को बल मिलता है तथा किसानों को फसल प्रबंधन, निराई-गुड़ाई एवं रोग नियंत्रण से संबंधित तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया।

वहीं केंद्र की डॉ.प्रिया सिन्हा, फार्म मशीनरी वैज्ञानिक ने किसानों को कसावा की कटिंग लगाने की वैज्ञानिक तकनीक,उचित रोपण दूरी,भूमि की तैयारी तथा मशीनों के माध्यम से कसावा की खेती के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी,जिससे श्रम लागत कम होती है और उत्पादन में वृद्धि संभव होती है।

नवीन किस्म के साथ नवाचार: डॉ.सुरेश मरकाम,द्वारा राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन (ह।रू) के अंतर्गत लगभग 15 हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों के खेतों पर कसावा की खेती करवाई जा रही है,कसावा ,जिसे स्थानीय भाषा में आलू कांदा कहा जाता है,सामन्यत: खुले बाजार में उबालकर बेचीं जाने वाली फसल है, इस परियोजना में किसानो को कसावा की कटिंग ,दवाई, जैविक खाद व मशीन (समूह में) वितरित किया जायेगा जिससे किसान इस नवाचार से स्थायी रूप से जुड़ सके , सामान्यत: किसान स्थानीय किस्म का उपयोग करते है जिसमे उपज कम होता है तथा उसका पोषक मान भी कम होता है , किसानो को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान,तिरुवनंतपुरम (तिरुअनंतपुरम), केरल की विकसित किस्म (श्री जया) वितरित की जा रही है प्रति पौधा पैदावार भी अधिक होता है।

कम प्रतिस्पर्धी एवं अधिक लाभ वाली फसल आलू कांदा : कार्यक्रम में विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ.हितेश मिश्रा द्वारा जिले में कृषि नवाचार को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया गया तथा जिले में कसावा की खेती को एक नवाचार के रूप में किसानों के खेतों में बढ़ावा दिया जा रहा है,जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, फसल विविधीकरण, पोषण सुरक्षा तथा परंपरागत कृषि से हटकर कम प्रतिस्पर्धी एवं अधिक लाभ देने वाली फसलों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करना है उन्होंने बताया कि कसावा जैसी फसलें बाजार में कम उपलब्ध होने के कारण अधिक मांग रखती हैं और किसानों को अन्य पारंपरिक फसलों की तुलना में बेहतर लाभ प्रदान कर सकती हैं।

किसान मेले में औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति किसानों में बढ़ी रुझान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती में किसानों की रुचि तेजी से बढ़ी है, जिसका मुख्य कारण पारंपरिक फसलों की तुलना में अधिक लाभ, कम लागत और बाजार में मांग है।

अश्वगंधा, लेमनग्रास, तुलसी और खस जैसी फसलों से किसान प्रति एकड़ अच्छी कमाई कर रहे हैं, जिसमें सरकार की सब्सिडी और तकनीकी सहायता भी मदद कर रही है।

औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा

छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा आयोजित किसान मेले में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड ने सक्रिय सहभागिता की। कुम्हारी, दुर्ग में 30-31 जनवरी को आयोजित दो दिवसीय किसान मेले में बोर्ड द्वारा लगाए गए स्टॉल के माध्यम से औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा देने हेतु संचालित शासकीय योजनाओं एवं कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्रीरामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद दुर्ग विजय बघेल सहित कृषि विभाग एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टॉल पर विभिन्न आकर्षक मॉडलों के माध्यम से खेती के सफल उदाहरण प्रस्तुत किए गए। इनमें नदी किनारे की रेतीली एवं अनुपयोगी भूमि पर खस की खेती, महिला सशक्तिकरण के लिए घरों की बाड़ी में सिंदूरी, सतावर एवं ब्राह्मी का रोपण तथा धान की खेती के कन्वर्जेंस के रूप में लेमनग्रास की खेती के मिनिएचर मॉडल शामिल रहे। ये मॉडल किसानों एवं आमजनों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने।

उल्लेखनीय है कि इस किसान मेले में बोर्ड द्वारा औषधीय एवं सुगंधित पौधों से तैयार उत्पादों का नि:शुल्क वितरण भी किया गया। अनंतमूल की जड़ से तैयार नन्नारी शरबत किसानों एवं आमजनों परोसा गया, जो शरीर को आंतरिक रूप से ठंडक प्रदान करता है और ग्रीष्म ऋतु में लू से बचाव में सहायक है।

इसके साथ ही लेमनग्रास तेल की 10 मि.ली. शीशियों का नि:शुल्क वितरण किया गया। लेमनग्रास तेल का उपयोग मानसिक शांति, सुगंधित वातावरण बनाने, मच्छर एवं कीट-पतंगों को दूर भगाने तथा तेल में मिलाकर मालिश के लिए किया जाता है। किसान मेले में लगभग 1000 से 1500 किसानों एवं आमजनों ने बोर्ड के स्टॉल से जानकारी प्राप्त की तथा नन्नारी शरबत और लेमनग्रास तेल के फायदे के बारे में विस्तृत जानकारी।

रतनपुर में बनेगा भव्य ऑडिटोरियम उप मुख्यमंत्री साव ने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 1 फरवरी को रतनपुर में माघी पूर्णिमा एवं आदिवासी विकास मेला वर्ष-2026 का शुभारंभ किया। श्री साव ने इस अवसर पर ऑडिटोरियम निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए और नगर पालिका भवन में बाउंड्रीवाल के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि रतनपुर पवित्र और पौराणिक नगरी है, इसकी ख्याति दुनिया भर में है। इस ख्याति के अनुरूप यहां बहुत कुछ किया जाना बाकी है। यह कभी छत्तीसगढ़ की राजधानी रही है। इसके अनुरूप गरिमा बढ़ाने का काम करेंगे।

श्री साव ने बताया कि रतनपुर को कॉरीडोर के रूप में विकसित करने का काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के धार्मिक स्थलों को सजाने और संवारने का काम हुआ है।

मां महामाया की कृपा से रतनपुर को भी संवारेंगे। रतनपुर के तालाबों के सौंदर्यीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसे सुंदर बनाने पूरे मन से कार्य करेंगे। विधायक सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत के अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी और नगर पालिका के अध्यक्ष लवकुश कश्यप सहित पार्षदगण एवं नगरवासी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना: प्रशिक्षण पाकर आत्मनिर्भर बने जीवन सिंह बैगा

कॉमन सर्विस सेंटर से मिला नियमित आय का स्त्रोत

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना ग्रामीण युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम बन रही है। योजना के तहत विभिन्न कोर्स में युवाओं को प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें स्वरोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

इसी कड़ी में जिले के ग्राम जल्दा निवासी जीवन सिंह बैगा ने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज जमकोर में आईटी/आईटीईएस सेक्टर में डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उन्हें कंप्यूटर, संबंधित उपकरणों तथा कार्य में उपयोग होने वाली सभी आवश्यक तकनीकी जानकारियाँ विस्तारपूर्वक सिखाई गईं।

श्री बैगा ने बताया कि इस प्रशिक्षण की जानकारी एक प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके पश्चात उन्होंने प्रशिक्षण से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूर्ण कर पात्रता प्राप्त की और सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया।

प्रशिक्षण के दौरान मिले मार्गदर्शन और व्यवहारिक ज्ञान ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास प्रदान किया। प्रशिक्षण उपरांत जीवन सिंह बैगा ने स्वरोजगार के रूप में सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) की स्थापना की। वर्तमान में वे इसी माध्यम से न केवल अपना बल्कि अपने परिवार का भी सफलतापूर्वक जीवन यापन कर रहे हैं। स्वरोजगार से उन्हें नियमित आय का स्रोत प्राप्त हुआ है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति एवं जीवनशैली में सुधार हुआ है। जीवन सिंह बैगा अपनी इस सफलता का श्रेय कौशल विकास विभाग, जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज जमकोर, मुंगेली, एवं इस योजना को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने वाले जिला प्रशासन को देते हैं।

उपमुख्यमंत्री शर्मा की तत्परता से दो दिव्यांगों को मिली स्कूटी, चेहरे पर लौटी मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने विधायक कार्यालय कवर्धा में दो दिव्यांग लाभार्थियों को स्कूटी का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने बोड़ला विकासखंड के ग्राम मारियाटोला निवासी विद्याधा वर्मा तथा ग्राम नेऊरगाँव निवासी भूपेंद्र चंद्रवंशी को स्कूटी की चाबी सौंपकर उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उनके दैनिक जीवन को सुगम करना है। स्कूटी मिलने से लाभार्थियों को आवागमन में सुविधा होगी तथा वे अपने कार्यों को स्वतंत्र रूप से कर सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की प्राथमिकता है।

इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशीराम धुर्वे, श्री संतोष पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कवर्धा श्री गणेश तिवारी, बोडला श्री नंद श्रीवास, श्री नरेंद्र मानिकपुरी, मनीराम साहू, अमर कुर्रे सहित जन प्रतिनिधि, क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजनों को स्कूटी उपलब्ध कराए जाने से उनके दैनिक आवागमन में सुगमता प्राप्त होगी तथा वे स्वावलंबी जीवन की ओर अग्रसर होंगे। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, सामाजिक समावेशन एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा निरंतर जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। स्कूटी प्राप्त होने से लाभार्थियों के दैनिक कार्यों के साथ-साथ शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक गतिविधियों में भी सुविधा मिलेगी, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे सम्मानजनक एवं स्वतंत्र जीवन यापन कर सकेंगे। यह पहल सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके अंतर्गत दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का सतत प्रयास किया जा रहा है। बोड़ला विकासखंड के ग्राम मारियाटोला निवासी विद्याधा वर्मा तथा ग्राम नेऊरगाँव निवासी भूपेंद्र चंद्रवंशी ने स्कूटी प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं शासन - प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। लाभार्थियों ने बताया कि उन्होंने स्कूटी के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसे उन्होंने तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ स्वीकार किया। आवेदन पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए आज उन्हें स्कूटी प्रदान की गई, जिससे वे बहुत खुश हैं।

खास खबर

टैंकर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर । उपरवारा स्थित आयुष विश्वविद्यालय के पास टैंकर की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। मामले में राखी थाना पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक ओमकार साहू 35 वर्ष ग्राम भैंसबोड़ का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि ओमकार साहू अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी उपरवारा स्थित आयुष विश्वविद्यालय के पास टैंकर क्रमांक सीजी 09 बी 0799 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे ओमकार की मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार आरक्षक की मौत

सूरजपुर । सूरजपुर में रफ्तार ने फिर कहर बरपाया है. दर्दनाक सड़क हादसे में विश्रामपुर थाना में पदस्थ आरक्षक अभय पांडे की मौत हो गई. अज्ञात वाहन की टक्कर से सोमवार रात यह हादसा हुआ है. घटना जयनगर थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक, आरक्षक अभय पांडे दसवीं बटालियन सिलफिली में फिटनेस ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने गए थे। यहां से लौटने के दौरान नेशनल हाइवे 43 पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिसके बाद आरक्षक गिर गए. सड़क खून से सन गई, मौके पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरक्षक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों और अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है।

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

रायपुर। अवंति विहार सेक्टर 1 खम्हारडीह स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे नकदी 50 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी उपेन्द्र शर्मा 52 वर्ष श्री कृष्णा लैण्ड मार्क गुढ़ियारी का रहने वाला है। प्रार्थी का छोटा भाई अवंति विहार सेक्टर 1 खम्हारडीह में रहता है। बताया जाता है कि प्रार्थी के छोटे भाई आदित्य शर्मा अपने परिवार के साथ बाहर गया हुआ है। तभी अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 50 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। चोरी गए जुमला कीमती करीब डेढ़ लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दुर्ग पुलिस की एसीसीयू ने खोज निकाले 200 से ज्यादा गुम मोबाइल, 60 लाख से ज्यादा की कीमत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइब यूनिट जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों में गुम हुए 202 मोबाइल खोज निकाले हैं। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लगभग 60 लाख रुपए है। सभी मोबाइल फोन उनके वास्तिवक मालिकों तक पहुंचाए जा रहे हैं। सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 से बरामद मोबाइल वितरण शुरू किया गया।

जिले में गुम हुए मोबाइल फोन के संबंध में लगातार थाना स्तर पर मिल रही शिकायतों के निराकरण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, जिला दुर्ग द्वारा विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत वर्ष 2023 से 2026 तक गुम हुए मोबाइल फोन से संबंधित आवेदनों का तकनीकी विश्लेषण कर खोजबीन की गई। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम द्वारा सतत प्रयास करते हुए दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा एवं रायपुर क्षेत्रों से विभिन्न कंपनियों के कुल 202 नग गुम मोबाइल फोन खोजकर बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 60 लाख रुपये है। बरामद मोबाइल फोन का विधिवत सत्यापन उपरांत संबंधित वास्तविक स्वामियों को वितरण किया जा रहा है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट टीम की उल्लेखनीय भूमिका रही।

मोबाइल गुम होने व चोरी होने पर ऐसे करें शिकायत: दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यदि उनका मोबाइल फोन गुम अथवा चोरी हो गया है, तो तत्काल नजदीकी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराएं। थाना रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत भारत सरकार के CEIR पोर्टल (https//www.ceir.gov.in) पर स्वयं लॉगिन कर गुम मोबाइल की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से दर्ज करें।

रिपोर्ट दर्ज करने से पूर्व गुम मोबाइल नंबर को अनिवार्य रूप से आबंटित कराएं। पोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज करने हेतु थाना रिपोर्ट की प्रति, गुम मोबाइल का बिल एवं आधार कार्ड आवश्यक होगा, जिसे निर्धारित स्थान पर अपलोड करना होगा। रिपोर्ट प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगा। अंत में "Submit" विकल्प चयन करने पर रिपोर्ट सफलतापूर्वक दर्ज हो जाएगी तथा संबंधित रिक्वेस्ट आईडी प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है। उक्त प्रक्रिया पूर्ण करने से गुम मोबाइल की खोज, ब्लॉकिंग एवं आगे की वैधानिक कार्यवाही में सहायता प्राप्त होती है।

जादू-टोना के शक में ग्रामीण की हत्या, खेत में गाड़ दिया शव, एक सप्ताह बाद खुला राज

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में जादू टोना के शव में ग्रामीण की हत्या कर शव को खेत में गाड़ने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामला गादीरास थाना क्षेत्र के ग्राम उच्चारास का है। घटना के लगभग एक सप्ताह बाद राज खुला। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार दिसंबर माह में उच्चारास गांव में एक बच्चे की मौत हो गई थी। मृत बच्चे का नाम गंगा बताया गया है। परिजनों को शक था कि सोढ़ी देवा द्वारा जादू-टोना किए जाने के कारण बच्चे की मौत हुई है। 23 जनवरी को बच्चे के क्रियाकर्म के दौरान इस विषय पर चर्चा और तेज हो गई। ग्रामीणों के बीच यह धारणा बन गई कि गांव में हो रही तमाम अनहोनी घटनाओं के पीछे सोढ़ी देवा का जादू-टोना जिम्मेदार है।

इसी अंधविश्वास के चलते मृत बच्चे के परिवार के चार सदस्यों ने मिलकर सोढ़ी देवा की हत्या कर दी और शव को गांव के पास स्थित खेत में गाड़ दिया। मामले में 31 जनवरी को पीड़ित पक्ष की शिकायत पर गादीरास थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की गई और हत्या में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।गादीरास थाना क्षेत्र के ग्राम कयारास निवासी चार आरोपियों में कोसा सोढ़ी उम्र 42 वर्ष, डूंगा सोढ़ी उम्र 38 वर्ष, नंदलाल करटामी उम्र 36 वर्ष और डुला सोढ़ी उम्र 25 वर्ष शामिल हैं। इनके खिलाफ थाना गादीरास जिला सुकमा में मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को 14 फरवरी 2026 तक न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

केले की फसल लगाकर चना दिखाया और ऐंठी बीमा की रकम, तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले के छुरिया थाना पुलिस ने दूसरे की भूमि में चना फसल बोने का झूठा विवरण देकर फर्जी फसल बीमा कराने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामला छुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम आमगांव का है।

जानकारी के अनुसार रैलीज बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के पार्टनर जय बग्गा, वैभव गोलछा और सुदर्शन वर्मा के नाम पर दर्ज करीब 50 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर पिछले एक वर्ष से अधिक समय से केले की फसल लगी हुई थी। इसके बावजूद वर्ष 2024-25 में उक्त भूमि पर चना फसल दर्शाकर फर्जी तरीके से फसल बीमा कराया गया और वित्तीय लाभ अपने खातों में प्राप्त किया गया।

इस मामले में कृषि विभाग की ओर से ब्लॉक कोऑर्डिनेटर भारतीय कृषि बीमा कंपनी अमित वर्मा और सीएससी संचालक परमेश्वर साहू के खिलाफ लिखित शिकायत छुरिया थाने में दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान दोनों आरोपियों की भूमिका सामने आने पर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। जांच में पुलिस ने इस पूरे प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों हेमंत वैष्णव, बालमुकुंद जंघेल और रुखमणि कंवर को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

श्रद्धालुओं से भरी बस ट्रक से टकराई एक की मौत, 15 लोग घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। श्रद्धालुओं को लेकर बनारस जा रही एक यात्री बस सोमवार देर रात सड़क हादसे का शिकार हो गई। अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर गंगापुर के पास पीछे से आ रहे एक ट्रक ने बस को टक्कर मार दी, जिससे बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।

इस दुर्घटना में लगभग 15 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि एक गंभीर रूप से घायल यात्री की अंबिकापुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा लटोरी पुलिस चौकी क्षेत्र में हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। घायलों को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां सभी का उपचार जारी है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, कुछ घायलों की

हालत स्थिर बताई जा रही है, जबकि अन्य का उपचार निगरानी में किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बस रायगढ़ जिले के तमनार से श्रद्धालुओं को लेकर वाराणसी (बनारस) के लिए रवाना हुई थी। रास्ते में गंगापुर के पास पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस सड़क किनारे पेड़ से जा भिड़ी। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

संगठित अपराध पर लगाम लगाने का आईजी ने दिया निर्देश, सशक्त मोबाइल एप लॉन्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रामगोपाल गर्ग सोमवार को कोरबा प्रवास पर रहे। यहां उन्होंने एसपी कार्यालय के सभागृह में मीडिया से चर्चा की। इस दौरान आईजी ने संगठित अपराध पर लगाम लगाने की बात कही।

उन्होंने समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप पुलिसिंग पर जोर दिया। अपराधियों में खौफ और आम लोगों में पुलिस की अच्छी छवि के लिए कार्य पर जोर देने की बात कही। यह भी कहां कि थाना प्रभारियों की बैठक लेकर उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। कर आने वाले समय में इसका रिव्यू कियाव जाएगा। आईजी की मौजूदगी में सशक्त मोबाइल एप लॉन्च किया गया। इसमें चोरी हुए वाहनों का डेटाबेस मौजूद रहेगा। यदि कोई सद्धिग्ध वाहन दिखता है, तो इस एप के जरिए यह पता लगाया जा सकता है, कि वह चोरी का वाहन है या नहीं। इसके अलावा कुछ दिनों में एक क्यूआर कोड फीडबैक के लिए जारी किया जाएगा, जो सभी थानों में मौजूद होगा। यह सीधे आईजी कार्यालय से मॉनिटर होगा। किसी भी पुलिसकर्मी द्वारा गलत व्यवहार या अनैतिक कृत्य की शिकायत इस फीडबैंक क्यूआर के जरिये की जा सकती है। शिकायत के आधार पर जांच के बाद संबंधित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी।

आईजी ने कहा कि थाना-चैकी प्रभारियों की बैठक ली गई है। उन्हें स्पष्ट तौर पर निर्देशित किया गया है कि वह थाने पहुंचने वाली जनता से अच्छा व्यवहार रखें। संगठित अपराधों पर पूरी तरह से लगाम लगाएं। इस तरह के किसी भी संगठित अपराधों को किसी भी स्तर पर न पनपने दें। एसपी को यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस तरह की बातों का ध्यान रखा जाए। यदि किसी पुलिसकर्मी की शिकायत मिलती है और वह गलत कृत्य में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करें।

बेहतर पुलिसिंग के लिए आईजी ने लोगों के फीडबैक का एक सिस्टम शुरू करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जल्द रेंज स्तर से एक फीडबैंक क्यूआर कोड जारी किया जाएगा, जो सभी थानों में लगाया जाएगा। इसे स्कैन करने के बाद आम जनता एक फीडबैक पुलिस की कार्य प्रणाली के विषय में दे सकती है। उनसे किस तरह का व्यवहार हुआ, यह जानकारी जनता दे सकती है। यह फीडबैक सीधे आईजी कार्यालय में त आएगी।

खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने औचक जांच, कई जिलों में कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आमजन को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पोषणयुक्त खाद्य सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रदेशभर में लगातार औचक निरीक्षण एवं वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला धमतरी द्वारा जनवरी 2026 में कुल 73 खाद्य परिसरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 14 परिसरों को आवश्यक सुधार हेतु निर्देशित किया गया। इस अवधि में 1 खाद्य नमूना संग्रहित किया गया तथा 2 प्रकरण एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किए गए।

उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर रमन स्वीट्स, बस स्टैंड धमतरी से 'ढोकना' का नमूना संकलित कर प्रयोगशाला जांच हेतु भेजा गया। इसके अतिरिक्त खाद्य पदार्थ परोसने में अखबारी कागज के उपयोग को हतोत्साहित करने हेतु प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जनजागरूकता अभियान चलाया गया। सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं को फॉसटैक प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रमाण-पत्र परिसर में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में जनवरी 2026 के दौरान भाटापारा स्थित माताराती इंडस्ट्रीज (सेमरिया रोड, खोखली), महासती उद्योग (सूरजपुरा रोड) एवं एन.एस. इंडस्ट्रीज (खोखली) का निरीक्षण किया गया। माताराती इंडस्ट्रीज में खाद्य लेबल पर विनिर्माता के स्थान पर अन्य फर्म का नाम एवं पता अंकित पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई।महासती उद्योग से पोहा का विधिक नमूना लिया गया। एन.एस. इंडस्ट्रीज में नवीनीकरण के समय फोरेंकोस में अपलोड किए गए स्व-निरीक्षण प्रतिवेदन में असत्य जानकारी पाए जाने पर निरीक्षण कर पोहा एवं नायलॉन पोहा के विधिक नमूने लिए गए तथा नोटिस जारी किया गया। इस माह जिले में कुल 5 विधिक नमूने संकलित किए गए और 1 प्रकरण एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

महासमुंद में गुटखा जब्ती, 15.50 लाख का जुर्माना

जिला महासमुंद में जनवरी 2026 के दौरान निरीक्षण के समय कुल 13 नमूने संकलित किए गए, जिनमें 8 विधिक, 4 सर्विलेंस नमूने तथा 1 सूचना सुधार प्रकरण शामिल है। कार्रवाई के दौरान 92,352 पाउच प्रतिबंधित गुटखा, 2 किलोग्राम बेसन एवं 500 ग्राम बारीक सेव (अवमानक तिथि पार) जब्त की गई। न्याय निर्णयन अधिकारी द्वारा संबंधित प्रकरणों में 15,50,000 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। इसके अतिरिक्त बिना अनुज्ञप्ति/पंजीयन के 2 प्रकरणों में धारा 69 (कंपाउंडिंग) के अंतर्गत 20,100 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही 51 नग अखाद्य रंग नष्ट किए गए। जिला रायगढ़ में संदिग्ध पिकअप वाहन द्वारा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विक्रय हेतु परिवहन की जा रही लगभग 2 लाख रुपये मूल्य की दुग्ध उत्पाद सामग्री (कॉलेज एनालॉग एवं दही) जब्त की गई। नमूने गुणवत्ता जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजे गए हैं।

जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के पश्चात संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रदेश के नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर सघन निरीक्षण एवं कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

सुपेला थाने के प्रधान आरक्षक लाइन अटैच

दुर्ग। सुपेला थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक राम नारायण यदु को लगातार मिल रही शिकायतों और चेतावनियों के बावजूद सुधार न करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) विजय अग्रवाल ने तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया है। यह कार्रवाई पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। जानकारी के अनुसार प्रधान आरक्षक राम नारायण यदु के विरुद्ध अनुशासनहीन व्यवहार, ड्यूटी में लापरवाही और कर्तव्यों के निर्वहन में खामियों को लेकर कई बार शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों की जांच के बाद उन्हें सुधार के लिए पूर्व में चेतावनी भी दी गई थी, लेकिन व्यवहार में अपेक्षित सुधार नहीं पाया गया।

अवैध ईंट भट्टों पर प्रशासन का प्रहार

एमसीबी। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर अंतर्गत नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित ईंट भट्टों के संबंध में लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों को जिला प्रशासन द्वारा गंभीरता से लिया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर 29 जनवरी 2026 को जिला स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा व्यापक संयुक्त कार्रवाई की गई। इस संयुक्त कार्रवाई में राजस्व विभाग, खनिज विभाग, पुलिस विभाग एवं वन विभाग की टीम शामिल रही। संयुक्त दल द्वारा चिरमिरी क्षेत्र के इंदनागर, टिकरापारा एवं भण्डार देई क्षेत्रों में संचालित ईंट भट्टों का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान कुल 19 ईंट भट्टे अवैध रूप से संचालित पाए गए, जिन पर तत्काल कार्रवाई की गई।

प्रमुख खबरें

दिव्यांग दम्पत्ति को प्रदान की गई वित्तीय सहायता

गरियाबंद। समाज कल्याण विभाग की दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत जिले के एक दिव्यांग दम्पत्ति को लाभान्वित किया गया। मैनपुर के ग्राम भाठीगढ़ निवासी 30 वर्षीय श्रीमती विजेश्वरी कोमर्रा, जो 65 प्रतिशत अस्थिबाधित दिव्यांग हैं एवं तहसील छुरा के ग्राम अमलोर निवासी 35 वर्षीय केशर कोमर्रा पति-पत्नि है। दम्पत्ति को योजना के तहत 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई। योजना के तहत पति-पत्नी में से किसी एक या दोनों के दिव्यांग होने पर 50 हजार से एक लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

शास्त्रीय गायन में मनेंद्रगढ़ की दामिनी को मिला स्वर्ण पदक

मनेन्द्रगढ़। मनेन्द्रगढ़ नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड 17 निवासी दामिनी साहू ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। दामिनी ने इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित शैक्षणिक सत्र 2023-24 की प्रवेश परीक्षा में वोकल म्यूजिक (शास्त्रीय गायन) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सर्वोच्च अंक प्राप्त किए और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में दामिनी साहू को राज्यपाल के करकमलों से स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उन्हें विशेष प्रशस्ति भी दी गई। दामिनी की इस सफलता से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा मनेन्द्रगढ़ नगर गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

पोंगा-डीजे बजाया टाइम बे टाइम तो होगी कड़ी कार्रवाई

जगदलपुर। जिले भर में जहां अभी प्रतियोगी परीक्षाएं हो रही है वहीं अब स्कूल और कॉलेज पढ़ने वाले विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाओं का सीजन भी आ गया है। इसे देखते हुए बस्तर के नव पदस्थ डीएम आकाश छिकारा ने पूरे बस्तर जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। सुबह 6 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक लाउडस्पीकर, डीजे और तीव्र ध्वनि उत्पन्न करने वाले अन्य यंत्रों के प्रयोग पर रोक रहेगी। उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

राजिम मेला का है सदियों का इतिहास; पुन्नी मेला से राजिम कुंभ कल्प तक इसने देखें हैं कई पड़ाव

महानदी, सोंढूर और पैरी का संगम हमेशा से रहा है आस्था का केन्द्र, छत्तीसगढ़ के लिए यह प्रयागराज के समतुल्य

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम मेले का आज तीसरा दिन है। कभी माघ मेला या पुन्नी मेला के नाम से जाना जाने वाला यह मेला आज भव्यतम रूप में सामने है। छत्तीसगढ़ के प्रयाग के नाम से विख्यात महानदी, सोंढूर और पैरी नदी के संगम पर लगने वाले इस मेले में मध्यभारत के साथ ही सुदूर पूर्वोत्तर क्षेत्र के साधु और अघोरी भी पहुंचते हैं। सरकार न केवल इस मेले की व्यवस्था की जिम्मेदारी लेती है अपितु लोगों के मनोरंजन के लिए भी विभिन्न आयोजन करती है।

राजिम मेला महानदी, पैरी और सोंढूर के पावन संगम पर माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक चलने वाला एक प्रमुख ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसे भगवान विष्णु की नाभि से निकला स्थल (कमलक्षेत्र) माना जाता है, जहाँ साधु-संतों का जमावड़ा और पवित्र स्नान होता है।

यह मेला सदियों से आयोजित हो रहा है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, तेलिन नामक महिला ने राजीव लोचन मंदिर की मुख्य मूर्ति को खोजा था, जिससे इसका संबंध जुड़ा है। तेलिन माता को लोकभाषा में तेलिन दाई भी कहा जाता है।

राजीव लोचन मंदिर भी यहां का एक महत्वपूर्ण स्थान है। इस मंदिर में 1145 ईस्वी (कल्चुरी संवत् 1816) का शिलालेख मिलता है, जिससे इसके प्राचीन धार्मिक केंद्र होने का प्रमाण मिलता है।

पहले इसे 'पुन्नी मेला' के रूप में जाना जाता था, लेकिन 2006 के बाद से इसे बड़े स्तर पर 'राजिम कुंभ कल्प' के रूप में मान्यता मिली है, जो हरिद्वार और प्रयागराज की तरह ही पवित्र माना जाता है। यह वैष्णव (राजीव लोचन) और शैव (कुलेश्वर महादेव) धर्मों का संगम है। मान्यता है कि जगन्नाथपुरी की यात्रा राजिम के दर्शन के बिना पूरी नहीं होती।

इसमें नागा साधुओं का आगमन, पंचकोशी यात्रा (पटेश्वर, फिंगेश्वर, ब्रम्हनेश्वर, कोपेश्वर, चम्पेश्वर नाथ), और माघ पूर्णिमा पर सामूहिक स्नान मुख्य आकर्षण है।

समय-समय पर इसके नाम में बदलाव किया जाता रहा। पहले इसे पुन्नी मेला कहा गया, फिर उसे कुंभ मेला और फिर राजिम कुंभ कल्प कहा गया। वर्तमान में यह अपने इसी नाम से जाना जाता है।

यह मेला छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो हर साल लाखों श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है।

शाही स्नान के लिए पहुंचते हैं देश के कोने-कोने से साधु-संत व उग्र साधक

महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों के पवित्र त्रिवेणी संगम में शाही स्नान की परम्परा है। महाशिवरात्रि पर होने वाला शाही स्नान के लिए विशेष तैयारियां की जाती हैं। इसमें कद अनुसार क्रम तय किया जाता है कि सबसे पहले कौन स्नान करेगा और कब इसे आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर साधु-संतों का शाही स्नान आकर्षण का मुख्य केंद्र होता है। मेले में हिमालय से लेकर दक्षिण भारत तक के साधु-संत अपनी टोलियों के साथ पहुँचते हैं और अस्थायी शिविरों (साधु ग्राम) में निवास करते हैं। यहाँ भगवान श्री राजीव लोचन का प्राचीन मंदिर है, जिनके दर्शन के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं।

श्रद्धा, भक्ति और संगीत से गूंज उठा सिरपुर

ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर नगरी सिरपुर में आयोजित तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव में श्रद्धा, भक्ति और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला। महोत्सव में प्रसिद्ध लोक-भक्ति गायक बाबा हंसराज रघुवंशी की भव्य प्रस्तुति रही, जिसने हजारों श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। बाबा हंसराज रघुवंशी ने अपने लोकप्रिय भजन मेरा भोला है भंडारी, करे नंदी की सवारी, शिव समा रहे मुझमें, लागी लगन शंकरा..., भोला मस्त मलंग... अयोध्या आए मेरे प्यारे ,राम सिया राम जी और भोलेनाथ की शादी है - जैसे गीतों से समां बांध दिया। उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायन पर दर्शक झूम उठे और पूरा परिसर बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। बाबा हंसराज की प्रस्तुति ने सिरपुर की पावन धरती को शिवमय वातावरण में परिवर्तित कर दिया। भक्तों ने भक्ति गीतों का आनंद लिया और पूरा माहौल शिव भक्ति में रंग गया।

सुनील तिवारी लोक कला मंच के रंग-झांझर कार्यक्रम ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इसके साथ ही महोत्सव में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति एवं देश की शास्त्रीय, सूफी और आधुनिक संगीत विधाओं की मनमोहक प्रस्तुतियाँ भी हुईं। फुलझरिया कर्मा पार्टी द्वारा कर्मा नृत्य, छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच द्वारा लोक कला प्रदर्शन, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के कलाकारों द्वारा कत्थक एवं लोक नृत्य ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। शास्त्रीय संगीत के अंतर्गत ध्रुपद, सितार वादन, ओडिसी नृत्य, भरथरी प्रस्तुति एवं तथागत नाटक ने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बनाया।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत मुंगेली में अब तक 81 हजार से अधिक हितग्राही लाभान्वित

समाज कल्याण विभाग की पहल : 9 हजार 800 से अधिक विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र जारी

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाने की दिशा में सतत और प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ संचालित योजनाओं ने वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, विधवाओं, निराश्रितों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत जिले में अब तक 81 हजार से अधिक हितग्राहियों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया जा रहा है। पेंशन वितरण में 99 प्रतिशत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा 99 प्रतिशत आधार प्रमाणीकरण के साथ पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, सियान हेल्पलाइन केंद्र के माध्यम से बुजुर्गों की समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया गया है। वृद्धाश्रम एवं नशामुक्ति देखभाल गृहों के माध्यम से निराश्रित एवं उपेक्षित व्यक्तियों को आश्रय, पहचान और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के हर वर्ग की सुरक्षा की भावना के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह पहल न केवल संवेदनशील शासन का उदाहरण हैं, बल्कि समावेशी विकास को जमीन पर उतारने की सशक्त मिसाल भी हैं, जिससे मुंगेली सहित पूरे प्रदेश में सामाजिक न्याय और समानता को नई दिशा मिली है।

दिव्यांगजनों के लिए सशक्तिकरण के ठोस कदम

दिव्यांगजन कल्याण के अंतर्गत अब तक 09 हजार 800 से अधिक विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं। 517 सहायक उपकरणों का वितरण किया गया है, जिससे दिव्यांगजनों की आत्मनिर्भरता को बल मिला है। विशेष विद्यालयों एवं पुनर्वास केंद्रों के विस्तार से उन्हें शिक्षा और पुनर्वास की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सीआरपीएफ जवान से पैरा तीरंदाज बने तोमन ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रचा इतिहास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जब इरादे मजबूत हों, तो विपरीत परिस्थितियाँ भी रास्ता रोक नहीं पातीं। बिलासपुर के राज्य प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे पैरा तीरंदाज श्री तोमन कुमार ने इसे साकार कर दिखाया है। उन्होंने 7वीं एनटीपीसी पैरा राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

पंजाब के एनएसआईएस पटियाला में 30 जनवरी से 2 फरवरी तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में तोमन कुमार ने व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक तथा टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य को दोहरी सफलता दिलाई। टीम स्पर्धा में उन्होंने अमित कीर्तनिया के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की। तोमन कुमार पिछले दो वर्षों से बिलासपुर आर्चरी एकेडमी में तीरंदाजी का नियमित प्रशिक्षण ले रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ पैरा तीरंदाजी टीम के मुख्य प्रशिक्षक श्री मनमोहन पटेल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। उनकी उपलब्धियों में प्रशिक्षक श्री पंकज सिंह का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बालोद जिले के तोमन सीआरपीएफ के जवान रह चुके हैं। नक्सल ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट में उन्होंने अपना बायाँ पैर खो दिया, लेकिन इस कठिन हादसे ने उनके हौसले को कमजोर करने के बजाय और अधिक सशक्त बना दिया। जीवन की इस बड़ी चुनौती के बाद उन्होंने खेल को अपना संबल बनाया और पैरा तीरंदाजी में नया मुकाम हासिल किया। पैरा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश के लिए पदक जीतना उनका सपना है।

तोमन 2017 तक सक्रिय रूप से देश सेवा में कार्यरत रहे और आज भी उसी जज्बे के साथ खेल मैदान में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

डस्टबिन से उद्योग तक - अंजना की आत्मनिर्भरता की उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी-कभी जीवन की दिशा बदलने के लिए किसी बड़े मंच, बड़े अवसर या बड़े संसाधन की आवश्यकता नहीं होती। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखण्ड के ग्राम तोलगा की अंजना उरांव की कहानी इसी सच्चाई को सामने रखती है, जो कड़ी मेहनत और लगन से ही स्थायी सफलता हासिल की।

अंजना उरांव जनपद पंचायत खड़गवां में एक अंशकालिक डाटा एंट्री ऑपरेटर हैं। स्नातकोत्तर डिग्री होने के बावजूद मात्र चार हजार रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत थी। तभी एक दिन कार्यालय के डस्टबिन में उन्हें एक फटा हुआ पन्ना मिला। लिखा था प्रधानमंत्री सृजन स्वरोजगार योजना। वह पन्ना कचरा नहीं था, एक संभावना थी। अंजना ने उसे पढ़ा, समझा और निश्चय किया कि वे सिर्फ नौकरी करने वाली नहीं, रहेंगी बल्कि कुछ सृजित करने वाली बनेंगी।

विरोध, संदेह और संघर्ष

योजना पर जब उन्होंने जनपद कार्यालय में चर्चा की तो अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ मिलीं। किसी ने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जाने की सलाह दी, तो किसी ने यह कहकर हतोत्साहित किया कि बैंक और योजनाओं के चक्कर में पड़ना बेवकूफी है। लेकिन अंजना ने हार नहीं मानी। एक बार मोबाइल व अखबार में जिला कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी का बयान आया था कि महिलाएं किसी से कम नहीं है, अपनी हिम्मत से आगे बढ़ सकती हैं। यह वाक्य उनके दिमाग बस गया जो बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

संघर्ष का अंतहीन दौर

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से जानकारी लेने के बाद अंजना ने पोड़ी-बचरा क्षेत्र में फ्लाईऐश ईंट निर्माण इकाई देखी और फ्लाईऐश ईंट उद्योग लगाने का फैसला किया। इसके बाद शुरू हुआ असली संघर्ष। दस्तावेज़ों की लंबी सूची, बैंकों के बार-बार चक्कर, ऋण अस्वीकृतियाँ और सामाजिक दबाव। मायके और ससुराल दोनों ओर से एक ही सलाह मिली यह लफड़ा मत पालो। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें कि आप अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं।

सपना बना हकीकत

अगस्त 2025 में इकाई का लोकार्पण हुआ और अक्टूबर 2025 से उत्पादन शुरू हुआ है। आज अंजना उरांव की अंजना इंटरप्राइजेज फ्लाईऐश ब्रिक्स इकाई लगातार उत्पादन कर रही है। वे प्रतिमाह 60 हजार रुपये की बैंक किश्त नियमित रूप से जमा कर रही हैं, बिना किसी चूक के। चार एकड़ भूमि पर धान और गेहूं की खेती भी जारी है। उनका लक्ष्य है प्रतिदिन 15 हजार ईंट उत्पादन और प्रतिमाह 6 से 7 लाख रुपये का कारोबार।

लगातार मिला पति का साथ

पति अनिल कुमार उनके सबसे बड़े संबल बना। दसवीं तक पढ़े अनिल को उद्योग का अनुभव नहीं था, लेकिन मेहनत, खेती और परिवार की जिम्मेदारी निभाने का जज्बा भरपूर था। उन्होंने अंजना के सपने को अपना बना लिया। एचडीएफसी बैंक से 30 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। कटघोरा से मशीनें आईं, शेड का निर्माण हुआ, कोरबा से फ्लाईऐश और स्थानीय स्तर से रेत-सीमेंट की व्यवस्था की गई।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना अंतर्गत मत्स्य विक्रेताओं को मिली बाइक और आइस बॉक्स

प्रदर्शनी में दिखा था बतख सह मछली पालन तथा उद्यानिकी सह मछली पालन का मॉडल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के अंतर्गत मत्स्य विक्रेता को मोटर सायकल सह आइस बॉक्स प्रदाय किया गया है. जिला प्रशासन कोंडागांव द्वारा स्थानीय बंधा तालाब गार्डन में 31 जनवरी से 1 फरवरी तक दो दिवसीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

मत्स्यपालन विभाग द्वारा प्रदर्शनी के रूप में बतख सह मछली पालन तथा उद्यानिकी सह मछली पालन का मॉडल तैयार कर विभागीय योजनाओं का स्टॉल लगाया गया। इस कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम और कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। किसान मेला संगोष्ठी के दौरान मत्स्यपालन विभाग द्वारा शासन की 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना' के अंतर्गत फुटकर मत्स्य विक्रेताओं को मोटरसाइकिल सह आइस बॉक्स प्रदान किए गए।

इस योजना के अंतर्गत संपत मरकाम - विकासखंड बड़े राजपुर, भूपेंद्र नाग विकासखंड केशकाल और रामसाय कश्यप - ग्राम कमेला, विकासखंड कोण्डागांव को लाभान्वित किया गया। मत्स्यपालन विभाग की ओर से विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में हितग्राहियों को सामग्री वितरित कर योजना की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को मत्स्यपालन से संबंधित विभिन्न विभागीय योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया।

यह योजना मत्स्य विक्रेताओं को सुदृढ़ आजीविका प्रदान करने एवं मत्स्य उत्पादों के सुरक्षित परिवहन एवं विक्रय में सहायक सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य नंदलाल राठौर, मनोज जैन, जितेन्द्र सुराना, जैनेन्द्र ठाकुर, नागेश देवांगन, सोनामणि पोयाम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950